YIDGYE MUNSEL

परिग्रहण सं 6769 अन्थालय, पा. च. भा. शिर्थान सा. न थ ...राष्ट्रा



क्षान्य हो हो हो । स्वान्य हो ने स्वान्य हो । स्वान्य स्वान्य हो । स्वान्य स्वान्य हो । स्वान्य स्वा

स्यान्त्र हैं हैं हैं नियान के निया के नियान के

্ভা বি্নিধানপ্তি, দ্রীনান র্ধান্ত নেওধান রমধ্য-হর-নে-ব্রুবা-৫ র্ম-মৌ ।মট্রির-২ব-র্বেচ-युना प्रहस्र पदे रिवृत्य। निर्नु रिवृत्यस्य सर्हि स्त्रेः नार्ल्यसम्ब्रा । तना नेनट झे.स्.रेचेटश.ख्य.स्रा । हॅम २ इन् हर्ने पर हिं में से से मा । अया नदा खुया व्य.लीय ट्रे.ड्र्चाश.चयु.धेचशा विशादा.पट्र.चाशिश. मीर्वास-र्ववासराम् । दिस्यास्यस-र्वासम् माल्या मु इसस मार्डे चिर देव मार्डमा ध्वर प्रा ख्रियः मुै : सद्ध : केर : मो : पर : मु : पर : मे : पर : मु : स्वा: पर : मु : स्वा: पर : मु : स्वा: पर : मु : स चेत्रे.सक्र्यक्रेट्र.स् द्र.सिल.टे.चेट.इट.चा मिलेल. वितृ सक्त कृत क्रिं सम्बद्धाया यर वि.या । थिया वार्ट वे दे झें दश नृष्टे वा न्टेंब वें न्ट न्टेंब सेना तर्ब चुरु न्दार तर्ब सम्बद्धाः कृषा सः न्दाः स्वः कृषाः य। र्व.बुर.वंश.बुर.। रवन्त्र.वंश्वमामयः

도다.네.텔·ᆁ어.너희·활성·디 도다. 룡.집 म्रीम्रीक्षायाम् द्वारिक्षायाः द्वारिक्षार् क्रॅब। रटम्युव-दुबः प्रब दुबः मिन्नेबः सर-से ब्रॅन्: यते द्रा में इससार्थे । द्रा में मार्ट में दे ही वस-रमें वा नेस-रमाय मार्थि रा र र र र सर्वन केर मुंदार मुंदाया मुकेश परि सर्वन केर लील. रूची.च। नुभ. मूं ल रेग्ने.व। मुै. रूब. रुभ. वॅ न्दर द्र पेस विम्हेश सद्य केर केर केर केर बुँदै:रुष:रु:मुन:या वर:मी:रुष रु:मुन:या छै: र्देश्येम्भार्यात्म नुहेन्। नाह्यन्यः भ्राप्तीः सेना सुः सा सक्र, केर. रुस. चलुरा वेस. च्. चीट. लेग सिना. म्।र्यटः वेशागुः र्ट्शास्त्रयः र्गुमः मारः वेमः इ.चर्र। चार-र्लेचा-झूदे। चार-र्लेचा-झुदे। चार-न्तर वना स्त्राक्षाक मि. दुस् मी. मी. मी. मी. मी.

বরু:প্র্নাধ:৴টুবধ:৸ৣ:৸য়ৢ৸য়য়৸ৡয়। য়ৣ:৸: टचा छूचा खूचाशा जिट रें . हुं बे . चंद्र . ह्यां ६ . ह्यें . र्सन्य सिट.रे.भु.रहेव.राष्ट्र.से.चे.क्रेश रे.जा बैस से बैस मार्डेस। र्से बैस से बैस मार्डेस। रेना चु त्या ५ हम हुन न हैश दूर देंब नेस चॅ त्य देते वा सेना मी द्यार चे माहिनास खना है नदी इदी क्षेदी स्थः गुःन्यदः संस्थः उन.रट.हा अर्जन.केर.र्जेश.य.यहेना बट.र्डेन. वेस चें नाट वैना । सेना नी निर्मा केंस गी निर्मा मुेबा नाट लेग द नदी नाट लेग दूदी नाट ब्ना-ब्रेत्र। नाद-ब्ना-अस-ग्र<u>ी</u>-५नद-क्रेस-ग्री-**न**5ना-मुक्रेक् ५ दिन विकास के मा નીશ પ્યુત્મ ત્માત્મ हुना 'નુશ' ຫુૈ : श्रेना' न्वट 'कु' खु 'हेब''''**'''** परुषाणु,रेयदःस्यावियोश.१४५.रेटः। शुन्तायोश. खेषायास्य पहिना नुसामी सेना निष्य के सी दे स्मर्ख्य स

<u> শূী দ্বদ র্মানার</u>নার তর নাৡর নাৡর রু <mark>স্পিন্</mark>। नर्दशार्यात्याचेनायरे स्वींक्य नचे वा मुन्दान्यस नु नाकुषा सर्वन कुर रहेस नहिना ह्राँस रे प्सर् बेर् गुःहेश सु ५ मूँ ह्मा हेर धरे र्दे मालक सु सा मुः अर्हे व्रे क्षे वर्ष निः वा ने द्रामी ने न्यमी न कुं मार्रेक्ष। सर्वत हेर् में सम्बेषा हेर्स हेरे. मैं.चर.७च । ष्ट्रश.रेप्ट्रमैं.रेट.सिंर.ग्री.पर्यश.स. नाकेश गा ध्येष पा से ना ना लिया केश ने में मु न हिर्ने पे पर्यक्ष रि.च.केश मा.लूब.च.लूर् या के.ज. नार्डे स्वयः नुः क्षान्तुः वा केरायेव न्दाः स्ववः हेनाः नेर-मेन-मानेशा सर्वर-नेर-रेस-मलेना हेस. देवे स्वर रेना ने र क्रेंब प्याय स्वरं विवर के के दि ही र या इस-देन-केर-ज़ब-मीब-इस-दे-मीर-पर्य-मीर्याश्व-... चुराया श्वीराम्वेदायान्त्रेता न्रीम्बाम्वीदा मन्म मुना दे साधना मुन मासुस। सर्वन १९५

र्मभामित्री क्ष्माने स्थामि स्थामित्र ने प्रमास्य ब्रेन वेन केन केन केन केन ळूश.टे.चोश्राप.रूचो.ची.टू. चूर.चोडू.चूर.टूश.श्रे.श्रेटे. चे**रा** बर-वैट-रेश-मश्रिभ-रेट-। रमाश-क्रीय-র্মনার্ভ বিহ্ন বিদ্যালয় বিশ্বর প্রত্তি বিদ্যালয় খুব,বা প্রত্থেরেরত,প্রত্ব,ৡব,প্র,খ্রীব,গুচ,রল, स.चूर.च। र.केर.मी.भष्य हेर.कुरालास.पंची.चा रमासायदी सर्व केन रामा मार्म मेर्न मुक्त मुक्त स्ति ह्मिश्र-क.स्ट्र-चट्ट-र्षा रतु.विश्वात.के.वी क. सेर्णुं रुवामी सर्व केर् गुर पते सु नियक मेर पते रुषा र्ये मर्त मी रुष क्ट्राम्बर्मान्द्रमान्द्रानुत्रा मुक्रुन्तुःसद्दर्भुन्। रदः मी'ननमा'केन'र्'में रायते स्मन्द्रमा स्रास्त्री र्'या सार्यन् पर्दे निर्देश में निर्दे लिं सुर्दे । स्निन् केमा करहेन الله المعلق المع

हिमा हु हु सेर पर रहें अंगे रवे खे मेरिक प्र शु.मु.र.यदे अ५.६म.५म ७दे ५८.म. व्हा.नुद्रा ଔ୴୷୷ୖ୶୴ୣୖ୵୕ୣଌୡ୵^{ଌୄ}୷ୄୠ*ୣ*୵ଽ୷ୄ୵<u>ୄ</u>ଞ୍ଜ୕ୢ୶ୡ୲୵ୢୖୠ୕ୢ୶୲ र्ह्रम् प्रियायाया नाह्यम् प्रिया विष्युप्रिया यहनाः लंत.रेट.चेश्चमा चिड्ट.लेल.ची.सक्र.३री हैट. दश-रेमा पर-वि.य। रवि.य। सर्थ-मशिभागी. महर खुभा ईंग यदे महर खभा ह्मा से द दम्यः वेशः गुः ना इतः स्यापः निराम् स्या नेते वा मान्द्र-रेमा सर्वि सुसानी माहर सुसा रूट रुमा सर्दे शिम मी माइट स्था रेश रेश यानविदा हर्षात्मारमात्र्दे समामान्द्रसासु महिंद् व्रेन्'णुं'सुं'र्न् नवर्'न्यर'ष्रेन्'य'सूर्वाने महन्य स्चार्याक.के.वे.ये. ।चाड्यालायाके.स.चाहेस.र्य. श्ची दे दे दे हो । विष लेका में सर्वतः हेरा लेव वस रेमा यर पुराया रहे वा

र्षेर्-देश सेर्-देश। नक्षयः र्व र्टामश्रुम। ٣ź٠ देश-गुः सर्द्धदः कुर। हर् स्थार्य मार्था । हें**द**ः क्र्यास्त्र स्ट्रास्य र्यम्य देश गुँ सर्दर हैर। य। नारः जना देवे नज्ञाता देवे न्ती अळव हेता W5. णुटःमदः त्रमा देवे कंदासाया यक्षरः से दिः य। द्वे व। निट.चना.इ.ज.लज.ची.चभ्रज.चट्र.चभ्रज रूपा रेश ग्री-पश्चरायद्वे पश्चर द्वा रहा पहुन भी पश्चर मत्रे मञ्जयः र्व र्दः माशुम। रचे रेम मलेवा मिटः यःमाल्दान्यम्बर्धाः यदो स्थेदो स्थ्रिन् स्थम्बर स्थान् । स् ଷ୮:ଅମୁଣ:ଶ୍ରି:ମାର୍ଡି:ଦମ୍ବ:ଅର୍ଜ:ସୂର୍ମ୍ୟ:ଜ୍ୟମୁଣ:ମୁମ:1 सर्वे मी मी बर ते असे में से प्राप्त निहमा स्तामी सर्वे १९। सिट.र्रे. मैं. चर स्रीर विमाश या व से स्री मा झु.भु.स्ना.स्नामा.जी.हमान्यना.जा.भु.स्ना. न्येर वा य.के.वी क्र्य.च् ४.४ वट.च्.भट्य.श्रंभ.त.क्र्य.च्. के.वे.र्टा विश्वत्युःश्चार्ट्या विरासराख्याताविश्वासः

द्भानु निष्या वित्रा निष्य में क्षेत्र निष्य के स्वर्भ निष्य જ્.લિટ.ટ્રેર્.નોબેર.જ્ર્નાશ્વ.તપુ.હેટ.ક્રે.વેશ્ ন্ৰ্য নু:ম:র্ন্ম:ঠ্ম:লুী**ম:র্ন্ন**:ব্**ম:বৃট্র:রা** ২০: सक्रेन.रेट.श्र<u>ी</u>.सक्र्य.मा३ेश.सम्रा लट.या चार्यता. বী পার্থ নীন: দাংস্থাপ: নার্থ। সংসেত্র. मुै सर्व हैन देव नसम्बर्ग देव मुक्त सा नमेर बर्ह्यम् इ.युर्। । **लट्य.लंप.टेश.**य.४ट्रं**श**. तर में रका राष्ट्र रेट्रा हो हैं। अक्षेत्र ही अक्षेत्र हैं र র্ব। ব্রাঘন র্বাট্র স্থাব্র ঘনী ইর। সামের। र्मिश्रामात्मात्मियानुद्यात्मराङ्गारामदे द्वारास्य । र्वर व ह्वायाया व विराविष्य विषय विषय विषय विषय मिल्यानु सर्दे मुरमी सक्र किर सर्व सुसा कर् सबार्निशायरायीया रेपेरावर्शिक्यां सामिता नाविता चि.सून्। चीरा नी अक्षर केर हिंदा र्यमा कर् মধ্যু ব্ৰাম্বান্ত ব্ৰামান ক্ৰিক্ৰ মুখ্যু মুখ্যু না বা

म्र.चेट्रा १८८.४.५.५३४.५३.४५५३५१ ĐĽ. क्रॅवस गुैस क्रॅ वर्विस न्युन यन यु य न्या 52. बूंचस गुैस ब्रूं दर्नाय न्युन यर गुःच। माल्य गुः विष्टुः र्स्ना सुरासी सर्वा केरा निष्टुराया मासुसासीसा न्या पर्यः स्वारायः यहेव वया ह्या स्वारायः स्वारा न्येरः व। ब्रैव प्रशासिका श्रुर विस्तर गुरायरे विस यद्र सर रट पद्ध व विदे र्व स के के से पत्ध विदे लर चुर पहेंद् चुदे मर्कद हैदा वह प्रश्ना प्रमान अ.च। रेवे.च.चाकुंश.पाश। खेच.पाय. पहरं विदे सर्दर हैन। दना गुन ह्यूट नी नेश यश हेन यह नियम मीशारमा त्यशामी पर नु न। लेक प्रदे महेर नुश त्त्र अपन्ते निर्देश की निर्देश की स्थान की की स्थान की की स्थान की स्था की स्थान गुरु ह्येंद्र मी ह्रेन् याया श्रुष्ट यह रहिरा मीशादन पशःम्, चरः चै.च। रेगुरः थः वेशः तर् रेथः हैं। कें. बर्से । विदःसरे महर्ने च त्या निवास ٢٤٤٨.Ŋ.

त्रमिक्षा प्रस्ति स्वाप्त स्य स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त स्वाप्त

स्वारक्षेत्र पाष्ट्र स्वार्गे विदादस देन मिहेस प्रसा स्वारक्ष में स्वारक्षेत्र पाष्ट्र स्वारक्षेत्र स्वारक्ण

र्देव:रेपे:र्देश:बीट:मी:सर्वव:हेरा र्देव:रे-प्य:र्दः वॅरम् भुरम् दे सिरम् । र्वे रे रिव्रे रे रिव्र बेन-नुःम्निन-मुन्दुबःम। न्येन-व ने नुमाक्षाः मुन्यः चॅ त्य खेट मो लेश यदे झु सु चु दो 🔰 । रॅब देदे मन्नाबान्धाः मान्यस्य हेन। मिन्नाबान्धाः मान्यस्य हेन। **८**हुन्। यदे 'स्वारे 'र्टा रेंब' रे क्रिंश प्रमृद् हैना सक्दायानी सक्षा रेषे रेपा से स पर्ञ्चर पर्भ स्त्रीय र्येर व ्स बेदे छिद्र मः कु.क्र.केच.ज.श्रट.चु.खेश.यथु.स्रे.केवी कूच.ती. सर्वन केरा स्तामी द्राप्त स्तामिर क्रमार्ट स्तामिर क्रमार्ट स्तामिर स्तामिर स्तामिर स्तामिर स्तामिर स्तामिर स् दशःहर्नः चुना नुमःयःहरः हुः लेशः यते ह्वा द्वा मानी सर्व हें। स्मानी मुन्द्रेंश गुट दहुन खेंना नी नहिंद्र स्थाहेंद्र વેરા દ્વારાયા કુદ દુશ્વા હું જેવા હેશ यते मु उर्वे ।हेर् छेर या यहेर् छते में दशर् हो न!

रेना स हॅर् गु क्षु रूट रहेंना स हॅर् गु क्षु रूट निर्मेश <u>ব্রার্থ বি অর্থ শূর্ণ হর দ্বীর ভীর বহ বাইর বরি</u> नर्हेन् मुदे रेव रे प्येव व रे माश श्रे केव या यःमाञ्चमार्थः लेश्वःस्त्रे :श्वःस्तुर्। ।र्क्रम्यः हेर् गुः मुते सर्द हुर। रहा मेश मेर रार महर्र परे वहूर्यः लूरे थः। दिल हर्यः वर्षेरः पर्वेशः जीः सूरः नुःर्धदःय। द्येरःदःरे वें न्दारका उदा लेखा यदे ଞ୍ଜ :ଞ୍ଜ :ଞ୍ଜ :ଞ୍ଜ : ଜ୍ୟ :ଅଧି : ଜ୍ୟ :ଅଧି :ଞ୍ଜ :ଞ୍ଜ :ଞ୍ଜ : ଜ୍ୟ :ଅଧି :ଞ୍ଜ : ଜ୍ୟ :ଅଧି :ଞ୍ଜ :ଜ୍ୟ :ଅଧି : क्रॅश्र-वर्हेर्-णु-स्नु-तृह्म। क्रॅश्न-ठर्न-वर्हेर्-यरे झु मार्रेश रूप दे अर्द्ध हेर रहा मीश रदामी पहरिनु र सुद्धायते सिंद्धा पहिरु में होता न्येन्द्रन्यः साम्बादः कृष्येष्ठः स्वीतः स्वीत्रः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीतः स्वीत मु.सं.वेर्। १ष्ट्रश.क्व.नहर्ने.नर्ज मैंने,भक्व.कुरी ਸ਼ਫ਼ਸ਼ੑਸ਼੶ਫ਼ਖ਼੶ਖ਼ਸ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑਖ਼੶ਖ਼ਫ਼੶ਖ਼ਫ਼ੑਖ਼੶ਸ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼ੑਖ਼੶ਜ਼੶੶੶੶੶੶

वहॅर्न मुं नेता र्वेर व नामा मिर्म में र्षेत्र वी विश्व यदे श्च स् नुवी हिंद हेर ता इस्राम्बर्दरणुः स्त्रे वस्रार्नुः वा स्राप्त्रवा स्त्राम्बर् णुः ञ्चः नावन स्वः दसः नार्दे गुः श्चः न्दः। सः श्री र देश नार्हेर गी स्त्रा राम सुमा मर्द्ध र हैर र म या निवेश केम स्राह्र केश गुःदेन ने अप्रमायर क्षर वहा हिन्दीन। हिन्दानिहिन हिना है साहना सर श्चर दश हेर् हेर। इ.य श्रेर यद देन रे स श्रना यर क्षुर वहा देवे री देवे री साम विदा दमा य ८ स्ट्रा श्रीक तामि क लेश नहें न पर श्री न हा श्री न स्रा मिर्च पर्दरमा भी वालेश महर् परि भी परा **ଞ୍ଜି**ଷ ୷ୖୄଌ୕ୣ୶ୖ**୰୕ୢ୕ୣୠ୕**୵୕୰୲ୖ୕ୄ୕୵୶ୖୄଵୡ୲୳ୖୄ୕ଽ୕୵୰ୖୄୠ୷ୄୡ୷୷ दुन् ।हूर्-दुन्य-पक्र-रुक्य-की-स्वर-रुद्ध-वा

णुः ह्रेर चुर मानेश दुः सन्दे सुसः पदे सू सु सु सु लेक'यते हिंद चेद त्यादि के विकास के कि का स्वार्थ हिंद <u> चैत्रत्या वृष्यः णैः लेक्ष्यते हिंद् चैद्रामार्रेक्षा</u> र्ये रें अपने के विस्व या से दिनाया रूप सुस्व यादेन या स भवायायायहॅंबाहे तुम यामीहमा ढेबायदे न्ह्याहा वुर्रे । वुर पुर प्रे मो दर मार बना मार्डेश प्रशा भीती सर्द्व के**रा**से से स्वास्त्र स्वास स क्षेर्रर् नाकेश अर कर केंन शक रेंद्र क्षेद्र कर नी **अ**न् रहेना नु स्थार हर मु हो। प्राप्त स्मार रविद्यः भूचा रदः। या विः खूर्याश्चः चाश्चल ग्रेट्रे वाक्नेशः र्साः भिनारात्रमा मी सक्तर हैन। स्टर्स स्टिन्स मालैदी क्रूचाश मुब्द अपन्यनाश यदे चन्नाश स्त्री निचेर ब.झ.झुब.झ.वेट्रा ।शटश.श.चेश.तट्र.रेवट.रे.वेश. श्र् । ह्यं. २८। १ मा.च। वेश.च. देशश. द्वे. महिमा सेदाया अक्दर हैन हर प्राचित होता

न्ते का कर्मा कर्मिया हैंगा सुरी तर्षित भ.रविता २८.रूम ।मालय. হুনা ।গুপধ.গুপথ.নীc.ধ্ৰমগ.ধী.<u>লূ</u>ই.বা.সগা क्र-अर् अष्ट्रे क्रेन् राया स्थानिक रात्रे हिंग रेशका क्रम्सास्थ्रास्य क्रम्मिन इंद्रं की ह्यू मार्च मार्थ मार्य मार्थ मार्य मार्थ मार के.वी.लूब.खंब चेबातद होराये। भाषेबार्ये. मुकामक्षामुन्गुराणुटा। वेद्यास्यसम्बद्धाः र्देशम्बर्यानु यह दाया विदेशम् । विदेशम्बर्धाः नाट ले.बा नालुट रू. इंदे जा झु.चूट कंद भ.ल.भ विच.तपु.श्रुव्.भुरं.तर.भ.त्रा वर्ष वर्षेत्र. वेश.च.च.च.इश.चट्ट.श्चेंश.लट.श्चेरी इश.चट्ट. र्देश विद्यासन हिंदी सकद हैन। रहासा नासर र् हॅनास यास प्येत यते हो रहे ता **परुर**-वेश-सँना-वेश-वेशकेंश-भैर-र्नुर-श्रूट-सामा----

देश'णु'र्ह्ह्य'न्द्र'ख्या मरुद्र'खेश'णु'सर्द्धव'र्वृदा रद्रा ૡટુંષ:ુંન:ઌ૽ૢૻૺ:ૹંન:સ:કૃ:સચ:દ્રૅનચ ક્રેષ:વુંન:ય સ..... [ૢ]૱૱:વઽૢ૽ૻઌૡ:ૡ:ૹૢૣૼ૽ૼઽૣૼનૄ૱:નૄ૱ૼૢૡ૱ૹૄ:ૡૄૄਜ਼ૢ:.. ঘদ্, শ্রা ইট্র, মার্থ-র্থমাঞ্ধ, শর্মান্ত্র, মার্থ-রা वरुर वेशमाकेश रये रेश पत्री हुँ तर्हें र न्यट से दे अद्दे शुक्र मुक्त द्रह्म यदे खूद से देश यते ह्या सु द्वा द्वा ह्या सु स् ह्या यर ह्या स् र स् हेश**.र**तची.क्**र.**शश.रॅटश.तपु.झॅ.धु.के.क्चो.तर.टुश.... तर् हैं है वेर्। भिट्द श्रम १ मह रेस पर सर्द्र-शुम्र-दुम्य-कुम्र-प्रवर्-प्रेय-प्रवर्-दे। व्यन् वेश गी महन हैर रे सक्षेत्र या सरेर वहें न यती भेषाया रहे ना क्षान्मा यह नहीं हिमाया ह्ना.त.ज्ना.जेश.र्ट. ञ्च.न.मानेश.र्डेट.मी. र्वट वेश वृश्व ह्वा से र व्यवा केश मार्डेश हे र्हेंस ট্রী.পর্ব্যুক্তরী প্রিলাপ্ত দুখার দ

5ने ना हे के के अपने के निकार के जान नदःस्यान्द्रीत्। कःस्रुसःनुःन्देवःसःन्दः। न्यः डेर दहेंद्र य माईस। दरमें दे दिये र द हैं हेना.चोत्र.श्रु.हेचा.श्रेश्व.ता चोक्रेश.त.प्रा ट्रंब. म्रोश र्यःरेसःम्बेषा स्राय्याद्धेरःसःस्मः श्रुम पत्रे हिं द्वा वे केंस्य नना वा केया वा नहीं ना हुमार्च त्यःसः सहेत्रः सः सहेत् स्यः मान्नेसः। दसे स्टेसः निर्वा हिंद या र छ । अर झुमा पर हैं हि स र र। स देश प्रते ह्नाश ता पहेर पर हैं सहर द्ना में । ङ्करायासार्हेनासामर्थास् दीसकंदाकेरा रहासकंदा इट विट रे त्य क्कें तर्नाश्च नार्डेन से वशा निते वा त्रमुत्रः **न**दे मुंग्यद्वन मुंश स्त्राह्म स्त्राह्म सामान्या स्पर्यामान्द्र नार्ये मुं सक्व मीश क्राराय साहिम्बर यदे हिं नाकेश रये रेस मलेत हिंद सं से हमा या

या हों वें वें दे दिनदार वें दे अदे वें श्री आप वे वी दिए। श्रेर चॅ.ज.कुरे.ची२२.टेश.मु.२४८.स् ह.स्टूश हि.... बुर्ते । फ्रेन्न्सुर्न् गुरेन्समः स्त्रुवः मालवः नुः चयन रही । क्षरात्मान्यादेशाची स्मान्या देश अर्देन स्था क्रम न्दा हेस-न्यमा क्रम माक्री सहर् য়ৢয়৾৾৽য়৾৾ঀ৾৾৽য়৾য়য়৾য়৽য়৾ঀৢঀ। <u>ই</u>য়৾৽য়য়৽য়৻ঀঢ়ৣয়৽য়৽ मदः वैना । नदः खुषः मार्थरः नुः हुँ मारुः य। ५५ भट्र.श्रमःचर्लुःयाःयः २ मोट्रा । भट्र.श्रमःह्रीः सक्त केर हेंना मायास तिस्ति नदी केराया रहे ना न्वदः वि । भेन् गी सद्द सुमा रदः रेग । द्याप्तर्वे साम् श्रुसान्दायलेको । मेसामायलेकान्। ৼৼয়ৢ৾৽ঀ৾ঽঀ৾৾৽ড়ৢ৾ঀ<mark>৾৽৻ঽঀৼ৽য়</mark>ৢ৽৸য়৽ঽঢ়ৢ৾য়৽৽ शुः भेर यदे नालक रेना नी भेरा में में नार मार मार प्रमुखाना नुनेता नाहनासारहेन न्यार संदे सद्द सुमा भुतिहेता दे प्रहेता रे प्रहेता

रेना ५ हेन ५ नवर वे दे सहर सुस ५ र खूदी । सर्वन ^{हु}र:रेश:बहुर। रट:बी:बर्बा:क्वेंब:श्रेष:५वट:। इ.चट्रा झेट्रा झेट्रा खस.ग्रु.रचट.स्.जस. <u> ५२ॅंब.के.कें</u>ब्र.चर्,मा वर रूचा मी खेंब्र.च रूचा रच्या . रदानी यहना <u>न</u>ो अप्योदा निष्टा में र ম'ম্দুখ বা য়য় ৼঢ়য়৻য়৾য়ৣয়৻য়৸ৢয়৸ঀঀয়ৼৢয়৸য়ৣ৻ঢ়য়৻য়৻য়৻য়৻য় उत्पःसः सुयः न। ५३ त। महमारु २ हेत थे ५ गुँ रवः व दे अद्दे सुम्रादम् नेना दे हैंद भेर พ**ี :**รุสะาฮ์ จิ :ผรัฐ :ผูม :พี :สุร : ผูจ์ [हुर:रेस:य:बहुबा रट:यो:बर्मा:मुेब:माडमार्सः वहेंबा झुरेहेंबा दें वहेंबा रें वहेंबा रेमा वहेंब **୷ୖଽ୷ୢୖ୷ଽ୳ଽୣୠ୕୷୶ଽ୵**ୢ୕ଽ୶ଽୖୢୡ୵ୖୄୢଌ୶୷୰ୢ୵୷^୷ୡଽୢୢଽ୷୷ चेश च हुंची चेल भ पर्मिल च। रेचट अट्रे से रेड्नी. क्षे.भ.र्थमश्र.लुरं.भट्र्यं.लुवं.टु। ४८.ची.चिडिटं.ट्र्यं. मूर्माक्ष खुः स्पर्न पर्ने 'न्यः स्ट्रेब्स्मुक्ष्म मीक्ष देः सम्म

मुद्र-विश्वःयः त्रश्चः वृद्यः चिद्रः रेनाः मीः विश्वःयः ह्नाः च्य स.प्रवितायालयाय द्वीरा लूराचेशालय है। ৼৼ৻য়ৢ৾৻**ঀ৾৾ঀঀ৾য়৾ৢঀ৾৻ড়৾৾ঀ**৻ৼঀৼ৻৸য়৻ৼঢ়য়৾য়৾৻য়ৣ৾য়৻য়ঢ়৾৻ .वेश च.लूब.चट्र.ब्रुर.हे। रूट.र्ट.रूपाश.सबुब. चष्ट्र ^{क्}थ. चेश्र.कृ. स चयाची वि.स.स.सश्च क्रीश.चष्ट्र चेश्व.. यास्त्रायती सुन। विश्वातकत्य तहत्यातहर्ति । रट मी सद्द.श्रिस.ही.सक्द.हेरी वि.वट.हि वर.हिंर. तप्र. पहुर क्या चेश त ग्रामी हो ए र स्त्र हिं त्रुं र अटें व सुम मी मर्दे केरा अट रमा यदे रें व বয়ুষ্ম ব্যব্দ কুর্ম বিষ্য বেষ্ট নের প্রেলার নের नुषायार्द्रवाञ्चलासात्रम्याचा रच्चे वा ३व र्च्स रट.मिल.हेच.कुर.मी.क्ल.ठम्रिंन.शह्र्य.श्रंश.रट..... নারীমা বরু, মুগ, দেখুবা ঔব, ক্র্যা, দী, সার্চ, দেশ, र्टा रट्येल.मी.शर्यट्रापश के.मेर्स विश्वर्गा क्रिमदे मर्भ हैर। क्यानश्चम क्रान्ये हनास

ल.चहेब.बश.रट.लील.धूर्मा.मीर.मीशर.रे.हे्म्श..... तरु ह्या । रेनु द नाशुस्र तथा रेट्स ट स्प्रें र बुनास गुः हेस द्यमा द। पुरु य दि द्मार य प्रे वश्रास्त्री से मार्ग ह्मारा सह सि सि सी मानारा यह हरान्यमानी हेम्साख्यान ऑन्यह द्वार यामदेव वसारी विष्य स्वतः हा मदी श्रुषा महिन् उष्टा केते यदे हेशन्यमा भु त्रा धेर हेश हेश र्यम है। **୵ସି୵:ସ:ସାକ୍ଷିକ ସ୍ତିକ ଧିକା:ସମ୍ମ୍ୟୁ:ସ:ସମ୍ମ୍ୟୁ:**ହିଣ୍: यश. लूटश. श्रेट्र. कुश. श्रमीश. ग्री. बिट २८. मी. चहें थे. चेट्र. **त्रात्रि**ता. १४४. ता. १४४. ४४ . १५४. १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . १५४ . ৼৼ৻ড়য়৻ঢ়য়৻ঀৣ৾৽ড়ঽ৾৾৻য়৻ঽৼ৻৸৾৾য়৻৸৶৻ঢ়য়৻ঢ়ৢয়৻ঀৣ৾৽ र्दर्भःमानुस्। ५८:य दे सर्दर्ने ने सर्दर्भः नाट-हिमान्सट-केर्-हर्न-स्र-प्येद-यर-स्ट-ब्रॅयस-गुरिस----देशन्य प्रदेशन्य। दयेर व। रूट केंद्र संस्थितः

चर :रट : ब्रॅचर ग्रीश :देश :प : प्रेन :पदे :हेश : यम :··· २८। भट्र शिमाचधुःसिःयेत् । निश्रेशासद्यासक्यः क्रन् सःनादः लेना स्टः क्रेन् क्रन् सः प्येतः सरः न्वतः सूर्वर गुँस देस य त देव य। द्वेर व २८ १९ कर् स. **भे**द चर माल्द सूर्वस गुरेश देश या... पर्वेष पत्रे हे श न्यमा न्दा स्ट्रिं सुम रून स मश्चिमाञ्चात्र्री अदाकारी माश्चिमाणी प्राप्ती प्राप्तीका ਫ਼ੑੑੑੑੑੑ੶ਖ਼ਫ਼ੑ੶ਜ਼ੑਫ਼ੑਜ਼੶ਜ਼ਫ਼ੑ੶ਖ਼ੵੑੑੑੑੑਫ਼੶ਜ਼ੑੑੑੑੑ<u>ਜ਼ੑੑੑੑ</u>ੑੑੑੑੑੑੑਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ੑਜ਼ਫ਼ੑਜ਼ वु'दरः। र्द्धरु'स्ट्रस्यासामुदास्त्रे क्रिकानुदे देश-इट-न्विद-प्रश्न-देश-ग्री-ढंद-सदी-सर्व-१९८-र्रस वर्षेष क्षेत्र सामार विमा । १८८ के र से स्रुप्त वर्ष प्राप्त र्ष्ट्रेचश्र-गुर्शास स्थापादिव व्यास निवर ब्रॅवश गुै। टो श य । प्रदेश य मिहेश । ५८ में थ । ५३ वः। हेशन्यमाः क्रान्यः। रदःरेम सद्वः

र्व मेर क्रांची सह व सुस र्वर सन्दर्भ मेंस्रसन्दर्भनीःसर्दर्शसन्दर्भन्ति। मिलिन'तम्बाह्य संनुत्तिम् मुं उत्नी सह व सुस र्व -मार्चे। रास्मुटारीटार्वे दीर्मराद्यरायामेदी [P: ৼৄ৶৽য়ৢঀ৾৽য়ৢ৾ঀ৽ঽ৾য়৽য়ৣ৾ঀ৽ৡঢ়৽য়ৢ৾য়৽ড়৾ঀ৽য়ৼৢ৾য়৽য়ৼৢ৽য়৽৽৽৽৽ माल्य ता महेव वसा र द है न मुद्द है द से र र र र **८ चर च सेदी । म र्ह्ना फेन्द च या से ह्यु : च ऱ्हा सु : ख : ट्र** देश मुद्रे मुद्दः सेट स् दे द्रमर द्रमर या दिहें वारे ... नियम् अप्ति सुर्यो ।ह्मायते सक्तः हेन। नमः मी इंट खुय खेर व हैं अठंद खेर दर्मेश या हेंना से**र**-मेस-चदे-सर्दर-हेरा मेस-च-ना-'लेन । ૻ૽ૼૼઽઌ૽૽ૺૹૣૻઽૻઌૢ૿ૣઌૺઌ૿૽ૺૡૺૡૺૻ૱ૻઌૹૼૡૺ**૾ૻૣઽ**ઌ૽૿૾૽ૹ**૾ઌૢ૿ૢઌૼ**૾ૻ बोट.श्रद्धार्या हेबा.च.ज.श्रुर.क्ष्य.बी. र्झे बस रहे वा के हिर हैंना स रहा रहे हो होना বাস্ট্রা ব্যার বি'মর্ব ট্র'বর্ট্রাট্র মীর

<u> ২০.৯.৯২ টু .২্৭.৯৯৯.ঈ২.৭৯.৫চু৭.ব৮.৬৯.১।</u> रदोर व अया पर्या ठव मी किटार्ट क्रुस यदे हिं व् বুর্না দাট্টশ্বংঘর মত্তর টুরা চের দাজি চের क्ष श्रिम वशायहर्ष पर्य प्रेश प। निमान स्थिम व वु-न्युमायारवन्विं क्षुकानु निहेव मदी ह्यें वु सुर्वे । ह्म.रा.ज.हॅरा.लेज.मी.स्.्रथ ४४.२ने.था स.ही.मेर. म्बेश्यान् हारायदे ह्मायाम्ब्रामा न्योर्ग्यायलेषः ह्य. झे. चे. चे. चं. चं. चं. चंडेंट. चंडेंट. चंडेंट. **ॻॖऀॱय़ॖक़ॱय़ढ़॓ॱड़ॕक़ॱॾॗ॔ॱॾॣढ़ॱय़ढ़॓ॱख़ॖ॔ॱढ़ॱय़**ॱ ल.चेट.चट्र.झुंश.चेट्र.चें**र**.जी.चेश.टह्र्य.<u>ह</u>्य.त.कं.ची हॅम्पायासान्म्बायराक्षेत्रसान्त्रीत्। नन्हेनाउन मु द्र्या य र्या व्यालक ता स् तर्माश यह ह्या य दर। भूम र मुर्ग र मरे देव मी हेम य मार्थ्य

र्टाच् मे। वुमानरी स्त्री विह्न विश्वाया स्त्रात्ती নাট্র ম'বী भूमा.मै.ज.९ ४ ८ हूब.मी.पुश.त.से. वी. चोशिस त.ज.चर्च.जन्ना देचीस.उहूर.चट्र. ऄय़य़ॱढ़ऀॱड़ॣ॓<mark>ज़</mark>ॖॻॱॹॖऀॱॾॆॺ**ॱॸ**ॻॸऻॱॸॏॱढ़ॖ॓ॸॱऄॎढ़ॱॸॗॱॹॗॸॱॱॱॱॱ यत्रे. ने. श्रुव गुै :र्बुव :पाशुक्ष :पाट :रुट :टरा यदे :स्र् हेश-न्यमा ते प्र-पृत्तिक वि । द्वाया दे प्रन्यायः यान्स्यन्यायते ह्र्माया सर्दे तर्दे तस्य वुर चर् ह्या.च.ची झै.व्श.ची.हुश.सी.पंचंटश.चर्ट. हॅन यर्वे हिना सेन विश्वास त्यान के वा हेना सेन प्रतिमः वेशः रदः। हेम्। स्नेरः सः प्रतिमः पर्षः वेशः यः मार्डेका रटार्स दे सक्त हैना रटा मी परमा मुन र्वटार्च वश्चर यायस वृदानके खेसाय। रवे न नवर वेश प्रमुख राज्या हेंना सेन प्रेश प्रमुख:य:मार्डेश र्व:रेश:पहेंदा त्रुःय:मार्डेश: क्रैट.मी.रेवट.पुर.के.चे.ये.रेट.। भ्रु.लश.माशल.श्रेट.

मी.चेश.य.कं.येल्। भाकेश.य.वी क्रूंश.चन्त्र. पद्ग सद्भ स्मा वस्य उर् र्। प्रमुल मु के हमा ম বল্লী স্থী । নাধ্যাম ক্রেম বাসুম লুনায় দেই স্বাম मीश हिंद की प्रस्तेर हूट मी केश या हु सु। हेद न्वटःमीबःन्दःशेरःचॅरःङ्कटःचत्रैःवेशःयःव्यनुःन्दः। ผูล ลาพัราสามาคลามิาฮูราราสตัวาสล้ารสราวา मीबार्याम् लूर्-हारायद्यः वृकाराःके सि.सरा। हेः स.वच.मुर्य. ल.स्. न्य. ले.र्स. न्या. त्या. लूर. जेस..... प्रचिमोश.राष्ट्र.सॅ.से.से.से.स् । विस्तासह्य संभाखेरः र्ष्ट्राची:सर्वन्द्रेन्। रटाची:र्ष्ट्रटाख्रीयायायहियायदेः 'नेश'य। रेने.ब.ह्मा.भर-भट्व श्रुभ.डेर-डीट. र्टाह्नायासद्वाश्वसाद्वर ह्वटा सद्वर हेरार्ट न्वे नम्दर नम् वे ने ने निष्य में राष्ट्री सक्त १९९१ दे.स.लूब.च.ज.र्ट्र-एड्र्ब.ची.चेश.च। र.छे.

र.चड्डिश पाशां हुन्। त.पविषाः चुश है। हैं देनाः २६४.मी.६न.स.६ १.५८। र्डेम.भूर.प्रस्थापेश बु.नन्द.चुर.ह्यं ।स.एडिंज.नर्द.पुंख राट्य.सक्र. ेुरा स्रायः नी नवस्य समासः हेमा यदे विस्या न्त्रेना सद्भाषमान्ता लेबास्यायामा प्रमुख नदे हिंग या महिशा महिशास है। हेश न्यमान् सुर्वे । न्यानिमानी सर्वे के के नि इस। मावतः हमा मी सर्वतः क्षेत्रमा हारा होराहाः गुै वद वस स्यार्वस रेगाया न्वे वा क्या वेश र्वेत র্নানাম বন্ধীবা ইমধ্য ব্রু মের ক্রিম্ लयामी मिरायर रेमाया नी नी सामक रामकेमा <u>बरायाक्ष्राची दशामालमा पकरायाची । बर्शा</u> हुँ र-र-त्र पु. स्मेनश श हूं ब.त्र. ची खेत. त्र पु. इम.न.चर दश हूर् ने ल.नासर ने मु मेर पर वेस...

या बदासा व्यापिट्या शुद्धा प्रते बदासा दर्स विर पहेंचाया वर्षा ह्या वाष्ट्र वार्ष क्षेत्र ही। म्बदः दशःम्बयः द्याः म्बदः दशः खद्शः हः दुर्दिः ेदः पहुर क्ष. क्रं सा चाडिट क्ष्य. केशश सं श्रेट चरे. रट रेना त्रुश सुर दहेंन हैट। द्रश हेंन्श नाशंभातपु सेवशंश हैंये.त्नाविता वी। हैंय तु हु. इस.च.चर.वश.क्र्र.च्.ज.चशर.रे.भु.स्र.चट्र.जेस.. त.क्रेर.था ह्य.त्य.य.चर्ड्स यश.४८.मी.चरेमा. ૹ૾ૢૺૺૢ૽૽ૼૺ૽૽ૢ૿ૺ૱૽ૡઌૢ૾૽ઌૻઌ૽૽ૻ૽ઌૣૼૹૹ૾૽૾ૢૼૡ૽ૹ૽૽ૡઌૢ૽૽ૡ૽૽ૺ૱૽ૹ૽૽૽૽૽૽૽ प्रचंश सुर प्रह्मा में ।हेश न्यम में र्दन प्रदंश दें। म्रु.संन्तायान्तियान्। भ्रु.संन्त्रायर् क्ष्याम्बर्धस्य स्टायते स्वाहात्मरा स्वाह्म स्वाहित स्वाहित 'वेश.च.क्र्य.भा श्च.धु.ध्चा.चर.रट्स्.श्च.ध्चाश. तपु. हुस. रेत्ते, प्रचस. थी शुभस. शुभः तपु. सेंपस.

रवट केश में केश महारामी में द्रम है से से ₹ï न्यर वेश गुः न्द्रम्थ मुंब भुः सर्व हैन ले'वा ৴৻৽ঀৢয়৽ঀৠৄয়৻ঀ৾৻ৢঀঀ৾৻ড়ঀয়৽ঀৣ৽৻ঀঢ়৻ঀৢয়৽৴৻৽৽৽ त्रस नवः विशास्त्रानी इसायद न नहें वर हीन वेता नवेर क क्रिं क्रूट नवट नेश क्रू स के नेश प न्वतःमुक्तः नरः हर्ने न्यासः हर्ने गुदः हरः। रदः नीः र्रे र पर्रे क्रिंग क्रिंग र प्राप्त क्रिंग य मलेक के । माह्य क्या द्रश्यमाश क्रुके पुरस्तर य के। ब क्षर ने क्रव मी क्षेत्र का क्षेत्र वी । निवह क्षेत्र मी नर्ना क्रेंब क्रें अर्द्ध केंद्र। र्नर वेश स्वाप दिंद नु मार्ड स्टर होन होन होन स्टर के हर हूट ব্ৰদ্ৰ ব্ৰাষ্ট্ৰ মাই ব্ৰুষ মাই ব্ৰদ্ৰ ব্ৰীষ স্থাই স্থাদ **२न**ट: वेश र्श्वन से 'दिन वृश्वन्शुः नहिं 'सेंट क्रीन पदे... गुन माले दे से द मो नुस या स् सुदी । दे स समा मी न ন্ত্রী'মর্থৰ'ঈৢ৴'মূহ'বিল্লার'ন'ব্রাহার'ন্

র্থা-বারী-বিদ্রানীধা-রূম-রুদ-বিদ-ক্রেধা-রূদ-বারী-দ্রা-—— च्र-मर्ड्, च्र-रह्म.श्री श्री राता प्रमित्र मी राती हिटा मी । र्या.च.चे.चेल् । लिजार्स्चाशायद्वात्रचशाया प्याया नः ८ हेलाचा नमामाचा ह्युनाचा ह्यु। वुःचन । नकेन १८ वः १८। स्थार हम १८। ञ्चयातहमा ।सर्वर हिरादा सर्वे दाना हरा क्रॅंश-५८-क्रॅम्-क्रॅंश हेश-५८म्-इस-मान्नेश-मा५४-ल.रचव.तत्। जिचात.चउ.भक्र.कुर.कुर.कुर.क्र.भव्य. यर मन्द्र सर्वे । इत्ते वा इत हेम से मन्द्र प्रचाया-द्वा यव र्ष्ट्व स्ट्राच्याया र्ष्ट्र सर नार्बेर् दमायान्द्रामाशुरु। देशायान्वेष। यदः ૹૄ૾૱ઌ૽ૢૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺૺ૾ૡૺ૱ઌ૱૱૱ૺૺ૾ઌઌૢૻૼઌૺૹ*૾*ૹ૿ૺૺૺૺૺૺૢૢ૽૽ २८.च। रेनु.ब। नुस.सूर.चीर.तपु.क्षेब.कुर्या. भू चोषश पंचाला जुंश.तर.चीर.तरी सूची. क्रवास.श्रु.चीर.तद्र.क्षेत्र.क्ष्मा.श्रु.चोदश.प्रचापा.चोश्वभा

रेतु.रेट.सू.क्.रूचा.रेट.चीट.रुचा.हे वी डॅट.शिथ. मोड़ेश.सद्,रेतु.स्मा.स्माश्नाहार सर्विन्तुराक्षेत्रा महास्याराङ्ग्रायान्द्राते हे हा सर् द्वा सिट त्वाय मी सक्त केता क्रा हे सका म मिंद गुट अद केंबर दे अद यदे माले समुद से ग्रुरे.च। रेबे.ब। रेट्स.पंचील रेट.चर्केर पंचील. मुहेबा रूट वे दे सकद हैना केंब हे रूट है. समुद्रायमान्यास्य महिन्द्रा विकास । विकास । ळॅब.५े.चाट.लट.घ.लेब.चते.खुट.चासुस्रासे५.च। रेवुर.थ.देची.च रेट.शु.देची.च.कॅ.वी चच्चैर.४चाल. मु अद्भरहेर। ह्रा ह्रा हरा है सम्बन्ध स्थान माट लिमा । ॐर्रा दे । इसायर । यठ द । ऋँमा 'तृ । मानसाया याम्बर्गा नवेरावानुबायान्तरानुमायानुस्तुर्भे । ल्रायान्यान्त्रेषामी प्रमायान्यते सर्वतः केता हिंदाः

र्केर: ने न्द से अधुद यर मादश यदी मार्डे के प्रदाय । कं मूर हा कंर सब नहेंद्र दम्य ही सहंदर हैदा माम द्वार मार्थमा मीक्ष रहेमा विकार मिर्ट क्ष क्ष प्रमाना द्वेत " च्चितःसत् माठेना वसारुमा विस**ार्**ट से समुदासा नियम् व मुकासान्दान्तासान्त्राम् व नियमित्राम् ैन। हिन्देशने प्रशास वास्ता के बने नाम क हिन् मिमार्था निवेष प्रमाना हेमा निवेश निवास नैंट.४ हेम.मोडेश। अक्ष. हेर. हुस. महिना हुरू. हेते. हिम मु नाद बेम क्रिंग हे स्थ हें माब्द स क्षेद्र'य'द्रद'र्भेद'य। ष्विच'दुदे'सद्दर्भेद'रेदेश'च' ५८:माडेमा ।हिन:चे५:ग्रें अर्द्धन:ग्रेन। द्वसाने हुई: पर्यात्र मिन्न सिन्न मान्य के स्थाने हिना स्था हिना सकेश.मी.भक्ष.केरी <u>हि</u>र्र.क्र्य.ट्र.पन्न.घ.स्टी हिर्ट. यणना व स्पट कूर्य है । प्रमास क्रिय है स्प्रान न लह हिर्मिन्न था। येश अध्यानी सक्य हेरा हिर

कॅश दे अश्व पर दिन हिंद ही दूब व अर केंस दे मुन। र्ह्यानेदे नुषान प्रमान यदे सद्धर्ेदा हूं श्रामाद्द होना । हिंद्र हो दिंद हो ८.क.र.म। हिंद्ग्णु द्वाना मुद्दे रहें हु प्रकर माया नक्ष्या भून यरे सक्ष हैन। क्षा नार लेन। ૽ૄૻૢ૽૽ૼઌ૽૾ૺ૽૽ૼ૱ૹૄ૾ૺૺૺૡ૱૱૱૽૽ૢ૽૽ૢૼઌઌ૽૿ૢ૽૽ૼઌૡઌ૽૽૱ૡ૽૽ૺ૱ૡ૽૽ૢ૽ૺૺૺૺૺ૾ૺૺઌ૽ૼ૱ૹ૽ૢ૾ૺૺૺૺૺ૾ૺૺઌૺૺૺૺૺૺ पकर यात्राक्षाया **र**वेर वा विभागान्त्रा वा नननायायान्त्रीका सेन्ननानान्यासका ननान मार्रेका अन्-ननाना मा सक्त रेना ननाना त.चोट.बुचा रट बहुर्.राषु.झुश.रट.गु.रेबोचो.चे. नगाना पुत्र नु रहें र मालक स्थे प्रस्के क स्था र स्थे र का वुमःसेर् सु वुर्ग । स स्मेर र्नाना नी सर्ह्य हैरा र्याया.त.चार.कुर्या ।रट.यहूर्.तपु.स्रुश.रट.यी. रनाना च नाना जुया नु केंबा नावन विकास केंबा नि ने ना क्र्यानावयः नियासः सार्यस्य सार्यः सार्यः सार्यः निया । क्र्यः

माल्य न्द्रा सुर् सेव पति साधिव नमाम । न्द्र र्वमाश मार्केश मा तात्र येव स्वते सार्य साम । व्रिला माल्ब स्मरस र्स् रस गुँस २ से ब राये स प्रेंद रमाम ५८.पत्नी ५वे.रेस.पत्नेना झ.हीन.हर्न. में हेन यर वत्र में वाया भृत्य विमामेर में पान वा भी क्षेत्र केंत्र च हैत चर बत की बाद रेत्या का खेताया ळ्ट्राचन्द्रा ५२ मुझमान्द्रामादायेक र्हेश याका न्रमः ने मः प्रेवः विद्यः नहिंदः न्यदे के नदे ः स ने मः प्रेवः ः य स् सुर्ते । हुदि सहद हुरा दुःस त हेस द मू वेराया वे:वमामी सक्त हैरा हिर्द क्रिंग रे प्येता क्रिंश हे त्या महमा महिमा हुई सा प्येद लिट क्रान्या है। य रहे। वा रहे। र्ष्ट्री। र्हेम्यार्थ्यो। र्ने ही। क्षेर्युः न्याने ने क्रस देवे देनास श्रुवे सक्त हैन। क्रस दे हिंद प्येव। ने हिंद द्रा चर्मा मार्डमा नु प्रदेश देश देश के विद

र्चि**र** प्रेश्न प्राप्त स्वाप्त स्वापत स्वाप्त स्वापत स्वापत स्वापत स्वाप्त स्वापत स् स्ब हे नुमाय सु नु। केंन्य सु दे मक्त हैन। यामुयान्यार्केष्म्याया **नये**नावावायया सुमा य द्वा केंब्र रेटे रेंब्र ही दें सक्ष केंद्रा हेंबा यायार्जेशारेके र्वे र्वे पुरायाना हिना । र्वे शार्वे सप्भेत्राचा न्येता न्द्रिंश चेन्द्रिंश सेन् मानेस ण भ महेव पर में स्त्र माश्रुमा द्ये में माश्रुमा नाम के होर लग्बाल लुमानु हुए मा के निर्मा हिमा तामावंशासिमार्ह्याचार्ने वि.चेरा ह्रेची चामार्चेश वर हैंट व से वर्ष । मि मि है दे सक्व केरा हेंगा यात्रासीदानु द्वादानादान्त्रम् न्द्रासासास्याना रेतर्था ह्यासायानुस्य लेखायदे स्तर् के.वेज् ।है.वे.वच.ज.वर्ड्स.वर्ड.क्च.मैट.रेट.। मक्रिंशःक्रिंम्शःमञ्जमःमदिः नममः भ्रुवःमविवः नुः ५ करःः र्दी मिन्डेन ने सर्केन हैन। देश माद लेन हिना

মাম রাব্বানু স্থান ক্রমারা স্থান ক্রিট্রা व्यन्ते व हरा निरुष्ता न्य विना ना निरुष्ता निरुष्ता निरुष्ता में अक्ष भेरा अर्दे श्रम ल श्रूर मार लेग । ११ ५५:५:सें:डूट:प। ५घेर:५:वुड सें:हमास्:ता हरा ন্ত্ৰ মান্ত্ৰ নীৰাম ভ্ৰমাৰ্ম । ই্ৰা মান্ত্ৰা কী नुम य दर नुम य स्थानु। श दर्र मुँ मर्क्र हैर। नाले नान कि राजे नियमिक स्थान नियमित रमे:या हराध:ररा क्रीं-याध:ररामाहेया हरा व दर् भुः सक्र हेर सद्द सुस य व दर् हुस व रवेरल गानुसाक्षानु व्यापानार् की मुंबा हो हुन हैं ना केया प्रह्म में सर्ह्न हैं। क्रॅब्र देवें :प्रुय: ७४ : माट : हिम । क्रॅब्र : देट :प्यें ४ : দ্রিবামন্সানর কর্মান্র আঁবালু নাট্রিবালু মান্সান্ত भें नेर्रा र्नेजा श्रेयामह्मा स्रेरं

ल्मामाहेश रहे देश महिन। मुन्मा ५६० है। स्पत्। । अदावा श्रेयातह्माय हेर्डिरणी क् ५८। हेनाय ५०। हनाय दसय शुः स्पेर ही । ह्में त. प्रहेचा च्या अर्थ हुरी हुरा रेपु स्पाप उर्थ चीट बुच ।कूस डु.रट.लूब.एच.सकेम.टपु.कूस.पीब. **र्भर**का हिंर ग्रैक खुक पूर्वेर या रहे क म्नियः पहिषाः क्रियः निष्यः निष्यः । सार्वास्ति । वर्षः नेशयाम्बेश द्येरावाह्यामाकेशङ्करानीप्तर नुबास व.रदा करावनर नद्र भट्र शंभावभग बर-ट्रॉ । यदः व. ट्रे माॐस ग्री सक्व केंद्र। कः वसः र् . मालक सेया मी सक्त मी सक्त केरी ৴**৻**৾ঀ৾ৢঀয়৸৾ঀৢ৽৾য়৸ঀ৾য়৽৾য়৻য়ৼ৾৽ঀয়ৼৢঀয়৽ঢ়৾ঀয়৽ चर.चे.चतु.क्षा रचे.वा चोक्रेश.लका सुर.

न्याना मी खेला यह । युका से ह मी हो मानु सुका सका रवेदायास्या सार्यदानामामीमाल्दासेयाया <u> इत्रेषा इत्रेमलक् श्रेयः इत् वे मलक्</u> श्रेत्राम्बुश्चा प्राचित्री सुमादाप्येदायासमः ज्ञानात्राचा नाकुशायाती ह्मायायातुसासा भेर पर प्रमापर इंट याद नु। अर्दर हैर गु . सर्वे १ हेर्। र्वे : क्रेंश मासुसः कंट मा सर्वे १ हेर् स प्रेन परे सहन हैन। र्ने ह्रा मासुस स हं मा মর্ক্তর-রাম্বর-জুব-রাম্বর-রাম্বর-রাম্বর-রাম্বর-রা सर्के न न संक्रिया से के प्रति सर्व के न मिल्या है के सामा सुसा स्र इंदर वा लंदा सर्व केर दिया सर्ह्य नुते सर्वत केर्। हरा स्वर् केर मासुस वट मार् ८हेन नुरुक्ष मुख्याक्षरायालेखान्या नुमायार्थेना হূম নাধ্যম হুদ ব ২৮। বাওনা বি হুছুম নাধ্যম क्ट.च। बुबाग्रह्मा । सक्यामिषुट्र सक्या

हैं। अर्द्ध हैं न गुरिश सर्दे के सर्दे के सर्दे न स्टिश्मिल्ट चुर पा अर्ळव हैन गुँ हुँव यान् है वा साह्या परि सर्व हैन गुँ हुन। हुन हेस परि सर्व हैन णुँ क्केंबा अर्द्धन मिले ता में मिष्या मदी अर्द्धन कुँ गुँ षक्ष भेर दे स्मा श्रम्थ पर देश ता वि स् मण्ट राष्ट्र . . . क्रें। ब्रेन् स्नाशन्त्र्यायाष्ट्रित्रं न यटायासाह्नि मास्यातुः न्दा। मायारामी सक्षाति न्द्रामा स्वामिता বত্ত, <u>সূত্র, র</u>ব, নীগ্র, ব.লে. দে. টিব, তুগ্র, ব. জী. বী..... १८। दे.च.त्रह.दे.सकूचे तालाच्ची सूचीशाचरेशः यः मर्गोर्दः यदे हो। व मा समास प्रत्य यः इ स सी नान्याया सुन्त्री । भाराना सर्व हेन् सुना सूर ल.रेवे.थ। रट.र्ज्ना.इश.भ.मीया ट्रंब.र्ज्जा. मालेब.पर्में अक्ब. हेर. अक्ब. मांचे राज्या मांचे राज्या नदे सद्ध हैन हर हर नर मुख्या न्ये हैस

वर्षेत्रा वायाःमी सर्वतः हेन् न्यायाः वर्णेन्याः सः न्दे सर्व केर पूर्व म स्मास पर्याय नर्गित् सुर्भे विभी । सर्वेद वि सूर हूं दाया नृहे ता रट स्नि च र हरित स्मान या इ हिन् मीलवर स् यः श्चन् सर्वतः मालि त्या सी मानस्य या निष्णामा सर्वतः <u> क्रेन् इन्या अर्ज्यक्रिया क्रेन्स</u> क्रेन्स वु से हेव य मुहेश है। सर् र व हर इंद मकुर रें રે રે તાના કુંશ ના કુંશ કે કું શું શ હ : દા ના કુંશ શું ન વર્ मिट दर्मायायाळेर सेर्ज् इस मी सक्द हेर हीस विपृ.रम्बार.र्व.सैंच.वेंश.मांडमाश.से.वी हश.ष्ट्रश. मु अद्य केर हरा मु यदमा केर दु स् र यदे मा हमार गुःर्भव:५व। महमाश्रःगुःशः६माःयःवःद्य। पर्व सक्ष हिंदी ह्ना य सा हमाश्र श्र भव्य प्रश लूची तर कैट चंट्र कुरा चीट खेच विर्धा स्था स लुथ.या रूंचा.त.ज.चिचाश.श्री.श्रट.च.के.वी ह्र्चा.

र्केश गु सर्वन केरा हमा या ता हरा गु स्थित प्रतान इत्यरे क्रिंगम् द्विम न्द्रिंग संक्राये माये हेंने त.ज.चिच्चश.भु.स्चा.तर.क्रंट.च.के.वी E幻. क्ष्म में नम्म मार्बे हे मर्द्ध न में न सद्य पदी मले न र र यर डूट ट्रा |रेट शर मून्य केंद्र ल हर हेंन ने सक्त केर रेस महेना हिंद मही मुना हिंद हिंद <u> १८ लेबा हिंद् सं स्वेब दे हिंद् सं स्वेब या हिंद</u> माले मुन। हिंदे हिंद रहास स्थेव यदमा ष्येष ने मिंद्र ष्येष य माम इट ष्येष या दर में मा बत द्व.व। क्र्म.क्र्र.ज.रचे.व। मध्यापया मिंर् मिंर राम स्थान मा स्था स्थान मा स प्येष मुं मूर्चा क्रांग मक्ष्य केरा हिर्न माली मूर्चा चित्र । चित्र प्रदास्य । चित्र स्था । मर्केष च सं चेत्र । रहा स्वेष रहा रहा सा स्वेष रहा

श्रु-श्रू-दिन्। न्यात्मः ह्य ह्यूनान्ये सःश्रुन्तु नव्यान्यः त्यूनाः स्ट्राः न्यात्मः ह्य ह्यूनाः योषाः सःश्रुनः नव्याः स्ट्राः

रटार्वे हेशार्यमामान्व तार्ययायाया हमाशा लट.रेची.ची.सक्षेत्र.हेरी क्षेत्र.चीश्वेंश.क्षट.ची क्षेत्र. নার্ম র নাম জ্বা র্র্নাম ক্রম দী মর্কর গুর हनाबारे ञ्चन ग्री विवादर्र केंबा खा ग्री खेटा नु ঀঀৗ৾৾ঀ৾৾৾৽ড়৾৸৾ঀৼয়য়ৢঀ৾৽ৼৼ৾৸ড়৾ঀ৸য়য়৽ঢ়য়৾৽য়৾ঀ हुसः दियः ग्रीः सक्तः भेर। देशासः रे : श्रूयः ग्रीः श्रूयः रहासः क्र-समुद्रिम्बाम्निद्रायाः स्ट्रिंग्यरे हिंद्या ह्मा हिन ग्री सर्वर हेरा हमार रे ह्मन ग्री हिं स हिर भ्रा.भर्येवं स्त्र्रेचीश्व.ल.भुटं न्याचि वं राट्श.सर्ट व्हेली लटः व देवारा लटा देवा नी सक्व केरी व सुव दि रहा ৡ৾৾**৴**৾ঢ়ৣ৾৾৾৾*ড়৾৾৾*৴৸য়৾৾*য়*৸৾য়৾৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸৻৸

मुव:महाया:माट:स्रा:बियोश:सर्.माट:वया मुहा:हेर. ने सुन गु नेश पर्ने के राज्य सु से प्राप्त स् র্ভুনানীশ্রেম্বর্মান্ত্রেমান্ত্রমান্তর্মান্তর্মান্ত্র্মান্ত্রমান্ত্র্মান্ত্রমান यदै र्ख्या दुँ रें के संस्कृ नु स्कूर नदि नदि अना नीस 'मुव'यदे'हेश'ह्व'णु'सर्द्व'ग्रेन सुँत'र्द्धारद्व'नु श्रॅट.चर्.चट.चम.मोश.६८.८.स्चित.ग्री.स्चेत.व्रेज.डेर... सम्बन् सुन्। सन्तर्भायान्य स्था देशः मैंच तर् क्रिंग रिय ग्री अक्ष के ही से माश्र के ठव.रे.स्ट्राचप्र.चट.त्रची.स्चीश.धे.संचीश.टे.स्चेच.म्री.शु. सरीयः त्ये चोश्च.ज. सुर्यः त्यः प्रश्नः तत्रः श्वेषा हेशः वा हिंश स्मानी सर्व के ने मिट समा के स न मार्थ मार्थ मी हेश ह्मिन उस मी सर्व १ केर प्येव वी । विश्व पर्देर क् संख्यावमा नश्चितः चित्रे क् संख्या मी सक्या हैना

र् भ्रियाणु स् वासायन्यास यायासार हुन । दे भ्रिया णु : व र्यु व : वु दे : क र्थ : जो : द्या ना नि हो : ना हो : ना हो : क्ष.व। पश्चित.वेद.क्श.ग्री.भक्ष.केरी टु.श्चित.ग्री. स् र्-पर्धाक्ष.त.च.चाट.बुचा । ह. ख्रेंच. ग्री. ख्रेंच. पुरे ক্রান্তব্যস্ত্রী স্ট্রান্ড্রান্ত্র বার্কা স্ত্রী মার্লা ক্রা देची.त.के वी अर्थेथ.के चीश ही अक्षर हेरी सैंच. क्षित्र क्षेत्र चर्षेत्र चित्र क्ष्य ग्रीका क्षा ख्रीं स्ता विष्य य.के.वेट्रा ।भ्रु.भवेद.क्रेंचाश.णी.भक्ष.केट्र.ट्र.च्री. क्रॅम ।रम्रेन। मलक्रम दमायाम सेर ব'মী'মরুব'র্ম্টুরাঝ'ব্দ'নার্মুম'র্মা বিবী'নীম'ব' पर्वथा झ.भ्रदंग.तर.झैंच त.ज.पुंश.वे.दे.वे.चे.ट. हमायान्त्राचुर्दा के विद्रामी कु सुद्री हिमार्था लट.रेची.ज.चीटश.टुश.ग्री.श्च.्यश.रेची.या पर्यश. रट.श.रेश्चेचार्यातपुरदेचार्यानाश्चिमां पर्यस्तियेतु. इन्सः स्टार्ना नी सर्वर हैर। द्वा मासुसर्दर

यद्रै.चार्यः क्रूचोश्र.चोटः हुचा स्ट.प्रश्नः हश्र.च रूरः नु'खुर'यदी'**य**ञ्चय'वृदी'ळॅश'**र**िने **वु**ट'नु'दवेत'य। रदःचल्वेदःमुःद्वाद्यःसदःद्वाःमीःसद्वदःभेद। ङ्क्षयः देवाश.लट.रेबा.चोट.ढुंबा ।रु.श्चेंय.ग्री.चश्चेंय चेट्र. **ઢેંચ-ખૈવ-વ-મિંન-મું-વન્ન-માર્કના-વન્ન-મિન-મેન-**य। अन्त्रीमासःयदे न्मासः अटः नमानी सर्दनः हेन। क्ष्यानाशुक्राक्ष्यायदे हिनाशास्य स्तानिन हो। ল্লুব ট্র বর্ষ ট্র বর্ষ বর্ষ করে করে বা বন্দা त.लूब.चा पचस.धेचाय.ल रेवे.था कें.क्र्स सैंचा म्.रह्य.सैच। मैं.श्व.श्व.सेच। मैंट्र.शिर.नर. ब्रुमा कुरी हुँ ब्रुम्परे तर्म म्मारा निर्मा च दे सर्व हैन। ने सूच मु त्र्य मह दिन। **ॿॖॕॸ॔ॱॻॖऀॱॸॗॕक़ॱढ़ॱड़॓ॱॿॗॺॱॻॖऀॱॺॿॣॺॱ**ॿॖढ़ऀॱक़ॕ॔ॺॱड़॓ॱॿॗॗॺॱॺॺॱ विचःता रेवुरःया घःयरःविःस्यःम्र्रिःचेद्रःक्रेरः <u>टॅ.पॅ.रश.मृ.चडिनाश.ट.केर.च.ल्ट्रतरःक्ष</u>्रेयःवःषः..

বংহমানী হেঁহা ইহা বাইবাধা গ্রাহারী বাৰ্য নুর্বী । मीव्रेश्चर्यते,श्रम्थ्यः वेटी व्यतः मीश्रमः व्यट्टः चार्यः मीठ्यः क्रमाश्रास्य न्त्रामादालीमा । नदास हश्राच न्त्रानु चीर नधु . रे. मैं व. मी. वम्रै व. चेर्ड क. मी. प्रश्न स.च..... र्भवःय। रवेरःवनुःस्वायाः संर्भरानुः स्त्रुवाय व। नु न द्वाक्ष कु न मेरिया के मुद्दी । कु का नाश्च मेरिय न्ये हे सम्बद्धाः रेगा हेन हो ह्या स्ट्रिंग इत सेहा रटम् नुःस्रान्ताःस्र्रेन् नुःस्टिन्रः सून याताः स्र्रेनः वैट.३४.पुराइनासास्यान्यार् सास्यान्या । नाडनासा त्रुव न्या वेश यान्या भेना यश्नाविष पर् मुर् ल्र्नायमाञ्चू वायाया न्वदाक्षेत्रायसामाल्र्रायते कुः श्रेन्त्रः श्रे : श्रु : पदे : नूर्वे : व्यं : नूर्वे : व्यं : श्रुना परेत राष्ट्र कुर्णर पर सूर्व या या रेश राष्ट्र नार त्र चुट या नग्रें प्राप्त । प्रताय विषेत्र में दिना वा लट रेचे.ज.चेड्रेश.जश्रा विरे.चर.रेचे.च.चर्र.रट.

मुँ दिनास प्यट दिना निर्म हिंद छेस महेंद्र प्यदे । मुंश हिं गु स्ना य हेर हरा स तय हरा वि व.श्र.भु.५मा.श्रुव.ल.र्ट्स.स्.च्यूर.व.सं.वी हिर. यर व्हेंशय यरे रूट यवेंश मी ह्वाश यट र्मा मी सक्र केरी चार बुच । हिंदे हुरा यहूरे नदु स्रस हिंर गु. के स.स. मुरे क्षा प्रसाय प्रमाय रहे था व स न्न वर्ष्ट्र य य न्न न । व न्न वर्ष्ट्र यहे । यह । यह विक ल.शु. हव द्वाश शु. पर्योद या दे । सुर्ये । वा केश या जा. चहुंश.च.४ट्श.शे.४घटश.च.४८.। वीचोश.ज. ८षटसः यदे 'रदः यद्वेषः मुँ 'ह्नासः मार्हेस। दये रहेसः नतुर्। स्.भु.६माःस्त्रुनःयः**मु**त्रामुदःयशःस्त्रुधःयः६माशः शु:नर्गेर्'याःषु:वु:र्मः। वुश्यःयःह्नाश्रःशुःनर्गेर्'याःषुः वुर्रो ।स-न्स्रेनास-मदे-न्नास-स्ट-न्ना-स-न्नेस्

भ्रे-ह्राट च.भ**.रभ्रे**माश्चारादी हमाशास्त्रटा रमा में सर्दर ૽૽ૼૺ૾૽ૢૢૻૣ૽ૣૢૢઌૼ૽૽ૢ૿૽ૢ૽ૢઌૣ૽ૡૺઌ૽૽ૢ૽ઌ૿ૢૡ૽૽૽ૺઌ૿ૢૡ૽ૺ૽૽ૺઌ૿ૢૡ૽ૼ૽૽ૺઌ૿ૺૡ૽ૺ૽૽ૺઌ૿ૺૡ૽ૺ૽૽ૺઌ૽ૼૺૡૼૺ૽ मिटां ट्रे.स्चेंच ४.ष्ट्रश्र.वथ.मी.चोटा≅चो.ला.चर्डर की. इराया रयेरावा सर्वामाले परेराया ज्यामायार्वे ૢૼ[੶]ૹૼઽૻ[੶]ਸ਼ઽ૾ૺ૽ૹૄૢૺૹ੶૱ૢૹ*੶*૱૽ૹૼૢૼ૽ઽૺૹ੶૽૽ૢ૿૽ૹ઼ૹૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢૹૢ૽૾૽ૼૺૺૺૺૼૼૹ सर्वेष. मु. प्रहेमी. तर स्मेष स. प्र. च. च. च. च सेष. हुंब. टें..... र्ज.यी क्रॅंट.१ट.भ.भूमेश.तपु.२मोश.लट.रमो.मू. सर्वतः १९९१ माट विमा । दे <u>भ</u>्निमः ग्रीदमामा ग्रीदे ૹૄૹ઼ઌ૿ૢ૽ૺ૾ઌ૾ૺઌ૽ૻૻ૾ૢ૽૾ઌૼૣ૾ૡ૽૽૾ૢ૽૱૽૽ૢ૽ૺ૾ૡૢૼૺૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૼૹૹૹ૱ૡ૽૽ૺૺૺ मट इना प्रतिर उटाया रेवे दानी इस यहा सर्चनः हे**र।** सन्देशनासः सद्भः हेनासः प्यटः देनाः नाटः জ্ব ।ম**্বি-**বেদানা**স্ট্র-**ঘা ন্দানা**ন্ত্র-ব্**র্মনারা यदी हमारा प्याप्त मा मी सर्व हैं दा मार हिमा ।

श्रात्मेब्र-द्याना नाश्राः सूर्यः यादाः उदः क्रोबः या वर्षे व्या खुताः सन्देशम्बास्य दे दिन्। साम्य प्रमान्य प्रमान्य देते हो। कुं सः नुभेगशा हियः गुेन सः नुभेगशा रदः महिता <u>বর্ষ:ম:বৃষ্ণাম:ঘই:দৃল্ম:ব্ন:ঘঞ্জী ক্রু:ম:</u> र्मान्यास्य म्नायास्य स्वानाम्य स्वरं केता वर्षेया ष्यासान्स्रीम्बारादे न्नाबाषटान्नाम्हान्न रे ह्यू य गु रममा नुदे केंद्र सु मुर यदे दिस र्ये অব-বা रे'सश्हराष्ट्र-पूर-पर्ये हिंर-कु नेंद्र्याणु स्पूर्ण सुं नायायाने चुटानु प्रेचेया होटानेदी क्रुं प्येंदः या दिने देवे र देवा हिंद शुरु या दिन होते पर्दे । में मेर गुःमहर्म में दे मु महें रू मेर रु मू र पाया बे मे न न में ह्नाश अट ह्ना नी सर्व के ही नाट हिना हे ह्यु च की न्यायाः चुदेः ऋँ सः नेः धौतः त्रा नेः मिं नः ग्रीः न्द्रं सः ग्रीः स्वा <u>क्रुस.चाट.क्रुय.ज.चर्चना.चाङ्चना.चे.पर्रोजाःचा नद्येर.</u>खा

्वैदःक्षेत्रः<u>ण</u>ु च्रमाह्दःकः वःयं क्षेत्रःयमः स्त्रुवःयः वः क्टा क्षेत्र वर्गेत्र या सुर चुर्वे । रूटा वलेका सात्र सेमास यते हन् अ : अदः र गःने सदंद हैन । शः श्रुनः प्रयत લેના સૂત નું સાન્દ્રમાશ્રાનદે નુનાશ અદ નુનાનાદ ….. ৰিন ।র্দ্রি-শূ-দেমে শূ-মূন্ ন্র্নাম **মে**র বা ই म्रैंच.ग्री.र्चाचा.चेट्र.क्र्य.ग्री.४८.नर्ख्य.त्री र्मेर-४-ऍ-ऍर्र-(व्यस-ल्य-प्रीस-र्मा-एदे-स-ऍन्सस-व.चैश.च.सुर.चर.झैंच.च.च.च्.कुं.कुंर.७चश.ऐश.झैट. इट.भ.र्भेनाश.स.के.वी र<u>े</u>ट्स.प[्]रश.भ.र्भेनाश. यते देनाश लट रेना नी सक्ष हुर। ८ हेश खेलास रुश्रेम्बरम्दे द्रम्बरभट र्माम्बर् द्रम् । हिर्ने ही ৴ৼয়৽ঢ়ৢ৽ড়৾ঀ৾ ড়য়৽য়৽ঢ়ৣৼ৽য়৾**৲**ঢ়৾য়৽য়৾৽য়৾য়৽৽ৼ৾৽৽৽ য়ৢৢঀ৾৾৽ঢ়ৢ৽ঀঀঀ৾৾৽ঀঽ৾৽ঌ৾য়৽য়ৢ৽য়ৣৼ৽য়ঽ৾৽ঢ়৾য়য়৾য়৾য়৽৽৽৽ न्द्रसः प्रज्ञसः भवः ना न्येरः ना नुः नसः न्येवः यते क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र क्षेत्र या **व्या**श से दासे द्राया क्षेत्र या क्षेत्र स्

यः सः नुः न सेन् स्य नर्गोन् स्य सुद्री । । दमायः ह्वः नृश्चेतः यरे द्वारा **भटा द्वा** ता द्वे दा 저성.역식.되다. ८नायायायहेरायदे दनाया ह्वानुश्रेनायायदे ह्नायाः लट.रेच.रेट.। सेर.दुव.मु.चरश.पंचाताता. यहेन यते दे दरमाहैस। दर वे दे सर्वन हैना दनायः हुः दशेन् स यदे हमाश्रः **भटः द**ना माटः लेना । यत्रः द्वेतः सुद्धः द्वायः नीयः नीः र्झे द्वार ने ह्यू वः गीः द्वावाः वु दर्मेन या मानुकारमदे सर्व केरा मार वेना । अत्र हिना से नात्रस प्रनाय मी से वस ने सून ୢୄ୴୵୳୷ୖଌ୵୰ୄୄ୷୷୷୲<u>୵</u>ୄ୵୷୷୵ୢୖଌ୵୳*ୣ*୶୵ क्ष्ये.श्वरश्चात्रात्मात्रात्मान्येषे तत्रात्मात्मान्येषे तत्रात्मा णुःदेचोशःस्टःरचोः**र**टः। देःसःचहेदःयद्यःसमासः ৼৢয়৾য়৾ঀৢঀ৾৾৽৽ৠৣৼ৸৻ৼৄৼ৾য়য়ৢয়৽ৠৢঢ়৽ঢ়ৼ৽ৠৣঢ়৽ঢ়৽য় विश्वायानम्रियाः से.वी विश्वायाः पहुनाः याः स्रेशः मैं। र्र्यः

मोबर-जान्त्र, पर्झे तर-स्मित-त-जा-रट-मीव-क्षा-रशा-८ हेना य नर्गेर य स्याप्त । इत रहेना हो नावहा प्रचायायायहेब यदी प्रचाय है निश्चमाश्चारादी हेनाश लट.रेचो ल.रेचु.थो झेय. हुचा.स्र.चोयश.टेचोल.ल. यहेन यदै रदाय बैन द्याय रसेमारा सुय हो र प्याय.रेभुचारा मैं.पंचाय.रेभुचारा पर्यस.ये. ८नाय.रेथ्रचेश ८चाय.एउंश.रेथ्रचोश.ची म्री. र्टरम्बायायदे दश्यानु र्भेन्यायदे र्म्बायार्ट र्म ।रेतु.रूभ.येबुद्रा भु.सूर्यश्र.कृद.क्मशः र्ब्रेवस.कुर्म्युर.कन्यस.स्रेन्यर.स्रुचरायाय स्रेक्वस. ळेब.तश.प्रिय.तर.ब्रॅब.त.देबोश.श्र.चर्णेर्.त.के.यी..... रुष्र-विच-तर-वृष्-राष्ट्र-श-स्त्रेम्राथ-मूद-र्ना क्विर कवाश सेर पर स्वयं पर पर हेना सार हा रेस

चैं ४.क्ष्मेश्र सुर.तर.स्रैं य.स.स.स्योश्र ४२। रुश्र. টিব:বহ.পুৰু:বধু:খ.হী্নাধ:ব.মাঁচ:ঘূী বেধ:ম..... त.रेचेश.४२। रे.च.२च.४र्वैर.चश.िच.तर. बु्ब्.सर्च.श.स्रु्च्याश.व.मीट. मुच्च. खूंचश. कुव् मुक् क्ष्माक्षाः क्षे**न** : यः प्रस्ताः वः प्रस्ताः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः विद्याः বহ-র্ব-ঘ-রূদাঝ-য়ৣ-দেশ্র-ঘ-ৠ-য়ৢ। तर.ब्रु.सपु.स.सु्चास.य.मोट.पर्राश्र-ध्री.लूट.पुरे..... मुद्राक्षाक्षास्त्रेन्।यरःस्रुवःयःयः। क्षेत्र.क्ष्मां स्नु स्वावसायमायाः यहेत्र.यदे त्यम्य हिः रश्चेन्रायदे द्रम्य फट र्ना तः र्ने वा द्रम्यः यद्रै.रट.यबुब.रस्मेमाश्र.य.यबु। प्रमायः यद्रैः प्रवास तुः नुस्रोमाश्चार प्रवि। प्रमायः पदि । द्विम तुः **र**श्चेन|अःयःयले स्ट्रे:पढ्ःम|हेश्चःशुःयल**रःण**दःदमात्रःः

यक्तरसेर्दि दिनाशास्तरमात्मानसूनानुदे क्र्याणी स्राप्त निवा स्थापन स्थापन स्थापन <u> न्यायाः न्यासः स्परः न्याः याकृशः। स्वतः कृतः स्थाः यत्वेतः ।</u> रे.श्रुवःणुःहनाशःभरःहनाःनारःहेना ।रे.श्रुवःणुः न्द्राणुः नञ्जूनः नुदेः ऋषः योवः वः ञ्जूनः यः योवः य। देः मार विमा । ने प्येक्ष कर नामा या प्येक्ष या न्या व बुं। प्रचेशारा मी इंसाशा श्रमा श्राप्त भा हैं। स.या स.रेभूचारानाप्त स्वारा विषया १८८ त्या । न्नास अर न्ना य न्ना स राहे ही कर न्ते ना रह र्देशनी ह्नास अदः देना दिया नालक देवे नी हमास **अट.र्ना.**चाकेश.पर्या भक्ष.केर.चेश.पर्लेश देयाशास्त्रात्याचारालीया । श्रास्त्रिय मुशासुरास्त्रीय र्श्वस्त्राम् स्तर्भारा वर्षा स्टार्डेन सन् वर्षा ने स्वरं त्मा के स्पर्ने मुं नाम के के मुन्न ने ने में सामका

न्त्रीर म्यापा विद्यास्य म् स्थान्त्र म्यास्य मास्य मा चैश्रायाक्षे विश् ।देशशाला देश वा ह्यू वा हिला ही. र्झे वशान्ते वा देव ह्यून गुःहनाशास्त्र नना ना व सुन २ तर लिन सुन गु हमार पर न्ना माहेरा र्ट्स दे मळवर हैन। नट हैन। हे हुन गु रनाना વુત્રે ઢૂંશ મું. ડૂંવ રે. બુંશ તર્ર રે. જૂંશ જ્વ મું. શુંદ વ... ऑर्-गुट-रे-रे-सुँन्ब-ळॅब-रुन-ग्री-र्द-स-स-स-म्ह-· श्चे.श्वरःच। रेत्रेरःवःर्ब्यः पश्चरः नःर्वरः यदे श्वेः सेन्'णु'सर्द्धन्स् दे मु'सर्द्धन् न्'न्'न्सेन्'यर सुन्यायाया से से द न में द न में है न मे नार हिना । रनाना स्तर केंश गु रेंब रे जेश परेंद क्रसं चंद्रा मुन्देर द रेन्द्र मुन्दर क्रिया संस्था स्वर मी । क्र-अ.स.चल्र-.उट.च। रसेन्स्। हे.होर. **୕୶୷୶୕**ଵୄ୶ୄ୕ୠ୶୵ୣ୕୷୷୳୵ୣ୷୷ୠ୕୷୶୷ୠ୷୷୷ୠୄ୷୷ तर-^{ख्रु}य-त-प्र-क्ट्रे-क्ट्रेर-७्वश-७ुस-डूद-५८-स-५से?--

त.चर्ण्ट्रत.कं.चेट्र् व.केट्र.चैंच.क्री.क्ष्मश.लट.ट्रमी. मी'सर्वन हैंना माद लेमा हि ह्यू म गु दमामा हरे. कॅश गु म स्नु र दे नेश पर्टेर कॅश रव मी सेट व कर णिटा रे.र्र. स्वेंचीश क्ष्य क्षे. क्षे. क्षे. क्षा य चर्चर. भ्र.१८ यो अट.४.१माश.अट रेमो.ज.स्रीय.क्ष्य.मी. र्झे वय निष्ठे वा र्वे सून मुन्मय पर निमानर व.क्षेर.ब्रैंच.ग्री.धेचार्य लट.रेची.चाहेश। १.११४.हेर. रुषः चल्ना क्यामाश्चरः क्टः चट्टः हमाश्चः प्यटः दमाः नार हुन दे भैय जी रहिश जी य भैय दे है हिश छून व सर्वव हैं र प्रव मार्गा मार लेगा हि सुव गु र्ट्स.ग्री.मञ्जून.ग्रिते.श्र्सा.स्पेन.व.सर्ज्न मु.स्पेन.रा रह. रुस. पर्वथा सर. दुन. स. पर्वेच. रा. प. मैं. मेेव. पास्त श्रीस ता पर्योद् ता सु ती दिता भी सी सी ती मार सैंच.च.ज.चेश्व.च.चग्रेर्-च.कं.वेस् ।६म्बालप्टर्मा लालह्मा थिया ही स्वया नहीं ना अवेत हिमाया प

त्त. चित चुर. रे. पश्चन राष्ट्र, सेचाश्वास्तर, सेचा. चःनार्डेशःशुः ५ हुना पदे 'हनाश्र' ष्यदः **न**वा नार्डेश। नादः बुचा ।ञ्चित-क्ष्मात्रेर-भर्येथ-<u>क</u>्ष्मशनभर्यप-**रच**ाल-ल्रे.चा चाट.७चा झैंच.क्षेत्र.क्षरं.क्षरीय.हींचांश. तनायः विनाः य क्षेत्रः य। तृदः श्चः क्षेः हमाः सरः श्चितः यः **ल.**चुश्रन्यनर्गेर्न्यन्थ्रन्त्र । ह्रिंशःचुरः नर्गेर्न्यः द्र.विर्] रिनाश.लट.रना ल.मञ्जून.विर्.श्लीं वश २वु.य.चाश्चम.लया रेट्स.च् ह्रेचस.खेचास.ग्री. इनाशायद द्रना मी सर्वर हैता व्यामासुस व्दानदि मार्थः क्रुमाश्रामार द्विमा । हेः श्रुमः ग्रुगः सङ्ग्रमः ग्रुगः व.झ.वैट योचोश.त.रेट.रे.४मीच.त.कीट.ज.सेंश्र.त.... नाराध्यरासाधिकाता न्येरावा क्षास्त्रीत्रा ञ्चितः य त्यः वशः यः नग्नित् । यः नुः व । व । माना शः यदः । नृतः **अ**ट.र्ना.मी.अर्थ्य.केरी नट.द्वेन ।रे.स्नुन.ग्री. नश्चितः नुः प्रें कुः नुः नुः नुमाना सः सः प्रेदः या निमः

ब.मु.स्ट.क्व.च.च.र्.स्वय.च.र्ह्न.वट.र्.स्वयाय स.हेन्। स्रुवाद स्प्रेन प्रमुखा स्रुपि मिन्स स्रुपि स्प्रिक्या णु देवाश लट रेवा को भक्ष केरी चट हुवा हि. म्नुन गुै न म्नुन नु स्थेन न ने हिन सर्वे द मी हिन सरा त्रुवायादेशायमासुदाया प्रोक्साया प्रोक्साया श्चैत प्रशासिंद्या श्चित्र हिस्सा गुर्सा परे हिसापरे छुटा रट.मी.चर्षेष.चेषु.र्षेष.स.ध्र श्रु.चर.श्रुचाय स न्धन्य मासुस्र मीस न्मायदे स्टायम्न स्टास् देनाश.क्षेत्र.क्षेट.मी.श्रक्षंत्र.केरा देनाश.क्षं.चर्गेद्र ब देरे अर्थ हैर। पश्चित वि स्टामीश र्थर अश स.मींच.सपू.मोट.३मो मोश.क्षेत्र.मोश्वेस.क्ष्टे.सश...... त्नायान्तरे म्नायाणी सद्धाने मुन्ति स्माया ह्या मुन इटामियः सास्त्री ४ . इ. जना . ये. हुसाम प्राप्ते हे माला साहेशः

चर्त हमार भुग्न द्वा मार्थ हो मार्य हो मार्थ हो मार्य हो मार्थ हो मार्य हो मार्थ हो मार्थ हो मार्थ हो मार्थ हो मार्थ हो मार्य हो मार्य हो मार्थ हो वियायाद्वयासान्दरमु व के व्यानानादानु प्यदासादेश या लट.ये। स्त्रेचाश.क्र्य.मीय.क्रुट.स्रेचाश.क्र्य.क्य.टे.स्ट. नर्भे मार अना मीश प्रिन स इस स र र प्रुवे हे स्वामा मिट्रिक्ट्सिट्स्य सम्बद्धिय स्ति हिर्णी सक्ति हैन <u> ইনার রে বর্মার মেনাে (টুনা । রি নার প্রের রে মানাুব মা</u> पनायाद्देनाशायास्त्र्यं स्वरं स्त्री स्वरं स्त्री स्वरं स्त्रा रट.भ.रे**भू बोश**.राष्ट्र.पंचाल.धेबोश.चोश्चेश अक्य. कुर रुष्य पत्रेया समाय समाय मार हिमा हिंद रहा तश्चाहरा च . पर्ट . पर्ट . मुंच . ट्रे.वैट.टे.पडुल.चा श्रैय.तप्.पचाल.देवाश.चाट. लेम ।रे:**भ्रु**य:ग्रे:र्माम:ग्रुदे:ळॅश:प्येव:वा ऍर: **गुै : यर्ना : नार्डमा: यद्र : हिम: ब्रेन: येद: विम ।** <u> র শ্বরণট্র বর্ষণট্র বিশালা এই ক্রম ক্রের বা বলালা </u> यः भेष्या प्रयोग्धेसामलेषा पुरस्याया से से प्र

नुः भ्रुमः यः यनुः मः हुः सुः मणेनः यः सुः सुः निः । भ्रुः नेना यन श्चैयःयःयःविद्यायःहरःश्चःयग्निर्यःष्ट्रेःवःन्तः। विदःहरः ฃ๊ารฺ๚**ๅ**๕๎ฅ๛ฺ๚๚**๛๎ร**ฺ๚๛**฿ู**๛๚๛๛ํฅ๛ํรฺ๛ नर्गोर् सास वर्षे । विनायान्त्राक्षायहर् रहेवानी भू वस रेने व। चढ़ जना क्रा मी हूर में भैव वह प्यायाद्यायाणी सद्धार् हेरा यु माया देश मुनाहर ਤੇ:ਬੈਂਕ.ਸ਼ੁੰਕ:ਬੈਂਕ:ਬੈਂਕ:ਬੈਂਕ:ਬੁੱਕ:ਸ਼ੁੰਹ: ਦ੍ਰ:ਖਟ:ਸ਼ਿੰਕ:ਖ:ਸ਼ੁੰਖ: हु.<u>जूर्</u>चा.रे.ट्रश्न.दा रेनुर.था श्रु.क्चा.तर.श्रेंच. त.ज.वेश त.देवोश.श्री.वर्जूरे.त.के.वेट्रा क्रिश.की. मिर चर मिरानद्र त्यायान्याया मुलक्त केरा सिर र्द्धान्तुव रेट ले ५५५५ ता व ह्युव नु दे रेट्ड र ग्री ट्रिंग नब्रह्म.कृट.नहॅर्-कृषाकानम्भून.चुर्ने-क्र्याणु-हि**र्**.... पर.रै.पडिट.पर्.क्ष्श.रेट.विच.स.स्रै,च.डु.स्ची.रै..... देश'य। द्वेर'द सेन्'स्न्सरेन्द्रस्य स सेदः त्रे खिला द्वानीविषा द्वाने निमान स्मिनाया लापरे सा

कुट. मसमासारा मग्रीर. मा.से. युर्ग । कुर्स . रूब. मी. टॅ.चॅ.चर्सून पते.पनाय हमाश में अद्धे हेरा छेरे ૹૢૼૹ૽ૠૢૢૢ૾ઌ૽૽૽૾ૢ૽ૡ૽૽ૼૡ૽ૼૡ૽૽ઌ૽૽ઌ૽૽ૹ૽ૢ૾ઌ૽૽ઌ૽૽ૼઌ૽ૼ૱ઌ૽૽ૢ૽ૡ૽ૼ૽ૡ૽ૼ૱ઌ वर्डाता वर्हेर् रहियाया हेर्सा रुद्रा मुन्ति वर्षा वर्हा नदै इंश्राद्रा विदास से व के खेंना दृष्यामा रेवर व रेट्श सूर सी वयायाय मेना पर स्थान म यत्तर्यसः सः स्वसः सम्प्रान्तः सः स्वर्षे । इद्धः मुः । ह्यः सः मुः । स्वरं । स्वरं । स्वरं । स्वरं । स्वरं । यरः सुत यदै दमायः हमाश्रः ग्री सळव के के वि वि वि वि वि ॱग़ॗ॓ॱक़ॕॺॱढ़ॺॱॻॖऀॱॱॺॖ॓*ऀ*ॸॱॸॗॱॺ॔ॗॱॸऻॺॱक़ॕॺॱॺॣॺॱढ़॓ॸॱ। २५५.ष.चश्चराचित्र.क्ष्याणु.ह्.स्र.चडिर.षा वहूर इंभ'भ'केंब'खब'मुं 'हिन्'पर'पह्यद्द'पदे केंब'न्दः'''' ुनानासु व है सिना ५ रेसे न होना सिंह २5ुबायामाध्येन यदे प्रायाह्य दे माल्य देव हो रायर ीय.त.प.परेरेश.पुट.चश्चचश.त.च<u>र्</u>ण्य.त.के.वी ाटेश पर दिनाश तार् है का मिलेश प्रश्न हुत स्ट्रिट

स प्रव स्पर स देश पर दिन्ना मु सर्द्व हैन। स् निश्च ह्या मुन हिट हे सून गु सबुद सु निश्च से ... सरीय. से ्या श.चीट. जा. लट. या अहर. च। लट. या सु नाम क्रिम्युव हिट ने स्रुव गी सु नाम क्रम छन न सिट पते.चोटः≅चो.चीशःभर्धेशःश्चेंचीशःभुःभर्धेशःस्त्रेंचीशःचोटः त्राध्यात्र सर्वेदः व द्वेरः व स्व ह्वा यरः स्व यात्मा अनुवानु निर्मा निर्मेष स्त्राचन्त्रा नडशः सुः स्तुनः नः तः श्र्वाः नग्निनः सः सुर्वे ब्रॅट मो स देश य रे ह्नाश ग्री सहत हैन। स देश यदे हमारा मार लेंग । धुँग्रा केंग्र कर कु मुर्सि रही मार ≅ची.चीश.टे.झैंच.ग्री.शरींव.स्री्चोश.ज.शर्ह्रा.चरश धु... सर्वेष.स्यामा अस्टानामा स्टान्स प्राप्त स्ति। अस्ति स्ता स्ति। र्ट्य.ग्रु.स.ट्य.च.र्ट.हेचं.हेर.ग्रु.स.ट्य.च.चेरुश सर्वन केर रेस मलेना सुन संद मी स देस मदे क्र नाट.बुमा बिर्चेश.ष्ट्रश.वय.टे.श्र्ट.सप्ट्रे.चट.इची.

मुश्रःसर्वेषःस्त्रेचाश्वःशुःभर्वेषःस्त्रेचाश्वःम्हेशःमाःलःसर्वेहःः मक्रिस मदि सर्वत केता हे मार लेग छिंत क्रुंब.क्य.ने.स्ट्राचंद्र चाट.चचा.चीश.भवेथ.स्ट्रेंचाश.मु.... सर्वेष.स्र्रेच्याश.चाक्रेश.च.ज.भार्येट.चश.श.मिच.त। **८**८. त्रां तार्वे त्रां अर्वे रहे ची श्रा भार्वे रहे ची श्रा नाकुंश गा त्य हिन हो र र दिना । नाकुंश गा त्य दका मोक्रेश श्रीतहम । अधिय स्मामा स्थामाक्रेश श्री ८हनाः सः संबुदः सुँ नासः तः मिनः चे**र**्रे तहनाः या सः सर्वेष.स्रे चोश.ज.क्ष.चोडेश.श्र.पहिचा.सर्वेष.स्<u>रे</u> चोश... यः हिनः चेदः दुन्। यदे दिशः गुैशः देशः यदे दिनाशः र्दान्विमा र्वे नेस मर्वे मा मू न्या पर सूर्या स त्रामाञ्चरानु मार्गेर् या कु त्रामा सदी है रहमा सदी है रहमा रेची.तरः स्वीय.त.ज.रुचा.वी.कथ.ताल्य.त.स्चाशःश्वाः वर्गोर्न्स्यः सुन्तु सुन्द्रस्य स्तुदः नुः सुवायात्म स्ति। न देवाबाश्चानमूर्या संस्था । स्रास्त्रा चिराने स्रीता

न.ज.भु.२च.न.न.च्यूर्.न.कं.वैज् ।क्षेच क्ष.मी.भः दुश.च.५ हेचेश.ज.५ है.व.च.० श्री प्राच.हेची. स्य मुःस देश पर्दे द्वार मुःसर्व केता नाट विना र्द्धेन्। इ. १९४ व. १११८ वर्षे चीट जना मीक्ष है हिन गी. भु भवेष क्रियाश भवेष्ट न। रहेर था स्या है। नर्भः क्षेत्रासः म्हार्यः म्हार्यः महित्र म्हेतः सम्बद्धानः स टमाः श्चि.च.चमूर् सः इ.चे.चे । लटः रमाः झमाः स्वः मु अहिश चह दंभशमी अद्ध केरी चीट हुस । त्रुं नाश : क्र्य : दयः नुः स्वदः नदी : नादः त्रमा : मीश : सर्यु ४ स्राह्म मुक्ता स्राह्म स्राहम स्राह्म स्राहम स्राह्म स्राहम स्र वर्गान् यासु वुर्वो । सामुवायदी इमाकालान् वे ना र्व.ज.चर्ड्स.वंश.भ.चैंच। ह्य.ज.चर्ड्स.वंश.भ. म्यैत। मारः चर्मा ला पहुँ स वशास स्वीत पठ देवाशः र्टामुह्यम्। र्टार्से सार्वे न मिले सम्मुन नमा

अःन्यु र च र देश अः मुन क्या विकास होता वर नक्रेंशक्षासाम्<mark>युनःसद्रीःह्नाश्चान्दः</mark>नाश्चित्र। न्दः व्यापारिकेषा देवां सामित्र हिंदि स्थापारी ळॅबः गु टॅ . वॅ के खेर-दबः मन्नुयः यः महिक्ष। दये - रैकः नबुदा श्रेका.ये.चरचा.चरका.श्रे.श्रेच-ता.जा.चरचा.च्रो. लॅब ५व ५८ ख्व या नर्गेर या द्वा तुः नर्गा नर्गा हिनाया ऒढ़ॱॻॸॱॿॣॗॿॱॿॱॺॱॿड़॓ॱॾॗॹॱऒ॔ढ़ॸढ़ॱग़ॗड़ॱॺॱॸॖऄऀढ़ॱॱॱ यः नर्गोर् यः वः सुर्वो । वः र्रः स्रेरः दश्च सः न्यू नः यदेः <u> রুমার বেরী বা নাজী ইনাকার বিশেষ করে মানীবা</u> नावे क्रिंश व दना सेद दश सम्नान। क्रिंश दनाश व दर्द त शु.६च.त.चर्ज्र.त.र्टा झ.भु.६च.तर.झैंच.त.ज. भुःस्चाःतःच्यूरेःतःकःवेत्। वि्चिशःचक्रुचाःजःचर्छ्रः वसास मुनायदे हमार है। द्वेर व। हिन

मोर्डेश होट मी नियद किया सहके सुसानु हुनाय ता हेनी चयासायम्बर्याचार्म्यास्याचार् यासः चर्गे हिं ह्या चार्षे हर देशास मुन पर है हिना राज है है। हिन र्केम अन्तर्भ सम्बन्ध स्थापन्तर्भ स्थापन त्रे हेमेश.मार्थेश रेट.स्.ज.रेसे.थे क्र्य.क्य. याचे क्ष्या अत्वर्धा सामुद। हमार याचे क्ष्य अत्वर्धाः सम्मुदा दे:मार्डेश गु. ५ होता दाता हो हूँ साहा बहा सा मूच य नियम् मुख्या नियम् स्थानिका नियम् श्चीत्राय यानुश्चायामण्ड्यान्यानुः वानुः वान्दान् तु न्त्र मिट्य प्राप्त प्रवे श्रव हे क्ष्य अ न्तर हे क्रा प्राप्त ष्प्र- यर्र- या चुँत शुः शे प्ष्र्- यर श्रुम् यायाया नु ना प्ष्र्-·च-६२-सु-चर्ग्**र-च**न्द्र-च। के-सुल-मासुस-मी-५नुस-स-वः सः नुः स्पॅर् यरः ञ्चूवः यः यः सः नुतेः ञ्चः प्राणाः यः वर्णे र यास्यत्रि । माक्रेश्य दे। द्वेरादाङ्चा हमा यर म्यून हे सामहे नियं दिन हो है।

चेश.चरु.सुरा ७४.च.डं.चेर्रा ।चट.≅च.ज.चर्ड्स. वश्याम्यायरे दिनाया देवे वी म्यायाया व हें शावशा स.मीच द्भिर स्तापान स्थाप शामीय। प्रेश. गायान्द्रं शत्रासम्बुनामरी हतान्सुस। द्यो रिस पबुरा यादश.ख्य.संश.श्रदश.मेश स.ज.सं.चरे. श्रेमश्मेन'नु ञ्चुन'माय श्चीप्रहेना'ठक मर्गोर्पमान स् मेड्र-सि.तश.चूट.शुभश.केष.ने.मैंच.त.पा विश.त. नर्तेश्व तकु न नग्र्ने न है है। श्रे श्रे हे न वर श्रेन च स.भूच. पृष्ठ ग्रु.चिड्डर.चे.चर्ज्र.च.दे.चेर्र् । रिचे. लट.रेच.चु.सक्य.कुरी पश्चैय.चे ट्रश्चरपु.र्ज्यूच.रे. मियायाद्यायद्रामोबुराम्या रम्भियाया समुक् द्वे अर द्वा मी सळ है है। वसूव मु देश বহু,ছূৰ,ট্ৰছৰ,টিব,ছূৰ,ট্ৰ,চ্গ,বতু,নাঙুখ,নীখ,না न्वेना न्द्रां गी सबुक न्वे अद न्या न्या देयाया **५५३ अधुर ५वे अ८ ५ ग ग**्रेश **५वे ३**अ महेता

ব্রিষাবেষা স্থ্রী ক্রীক্রাবেম স্থ্রীবাবেরী মরীব বর্তার বিষ্ণা यायमें यासु नु न्दा। सू सू सूराया सूरा हिरासा ৼয়ৢৢৢয়য়য়য়য়ৣ৾য়ৣ৾ৼয়য়য়ৼৢয়য়য়য়ৢয়য়য়য়ৢ৽৽৽ बुक्षःयः क्रेन् सरः क्रुयःयाय। रे विदः मी कर्म (स. रू. नर्गेर्'रा'क्रे' युर्वे । श्रे'श्रव्युद् रचे'प्यर'र्ने 'ने'श्रव्युद् हेरा नश्चन व देश नदे र्ह्न पु ह्म हिन रहें श खु ট্র-মত্র-মাভূম-মা ব্রম-র-ব্রুয়-মর-স্থ্র-য় द्वा.रार. श्रुव.रादे.श्र.सर्वेष.रब्रेर.वस समित.वर्गेर्... न.के.चेर्] रिनु.केर.कैट.ची.भक्ष.केरी चश्चैन. वि. ट्रेश. तर्र. क्रिंन. पे. विव. य. हे श. यत्रे. ये व्रेर. येविह ... बुटा ट्रश्चाराश्चेशया रिवेष ।सर्वेशरियान्द्र बूट:न्ट:की:संबुद:न्दो:बूट:मुहेरा न्टार्च दी: सक्षर हेर। वस्त्रवात्र देश पर्य हेर् हेर हेर हिरा हिया **ଽଝ୍**ୟ.ଝି.ଟ୍ୟ.ସଫ୍.ചାଞ୍ଚି**-.ସ**ୱିମ.ଞ୍ଚମ୍ଟ୍ରୟ.ମୁସ. त्री रहे.या ट्व.भ्रिय.क्या म्.भ्रिय.क्या म्.

र्श्चेन रुत्र मुँ अधुन रुपे दूर माशुम। दूर पॅ य रुप्ते : यो कुरा ग्रीमा देनाम ग्रीम सुरा हे.मार्टमा ण्यः क्ट्रिंट प्रते समुद्राद्ये दिन क्ट्रिंट म्ह्रीस **र**वे क्ट्रिस नर्तुवा पर्यास्वयं स र्यवास्य म् इना पर्यास्त्र सर्वुद-द्योर-सदा-द्राः। <u>र</u>्ता-स्-र्य-द्राः-तुद्य-यः नगॅर्न संस्तुर्गे ।माल्य मानेश्वर रे लेमा माल्मा । भु.भरीय.रेमु केर.र्हाट.मी.भक्य.हेरी पश्चीय.ये.ड्रह्म. বদু রূপ্র-বৃ-রূলা বিব-বর্ষ শ্রু ট্র-রদ্র-লাঙ্কি- বর্ট <u> बुट. हुन. तर के बंदा या रेड़े. था ट्रंसेस्. दब.</u> र्श्याय नाशुक्रानी से स्वृत्र न्ये स्र हिर हिर माशुक्र। ५८. र्मे भी क्षाणीयाश्चर्या ह्नायाणीयाशास्ट्री <u> કે.તાકુજ.પાજાજી. કે.દ.તારુ. જી.શરીય. ૮નુ. કેટ...સ</u>દ...... तर स्थित तर् भ्रामिये रिवारी में यासे र वार्टा प्रश र्टान्यसम्बद्धान्यम् । विष्टः चुटान्यसः

न्यतः क्षेत्रं त्रहन्य य। न्याश क्षेत्रं मी सहत् केना ने स्त्रुच गु म्नास सु चर्गेर से खें ने में द सम्बद लिए हमाश्रास्त्राचर्णिरायो पर्दे रे रे स्थ्रूच कु हमाश्रास्त्र द्याः स स्रुव.तर स्रुव.तर हिल चार्सिश. क्ट. चर्ट. रेचीश.चीट. लुम ।पञ्चीय.ची.ञ्चीय.वेश.रटा.क्ष्त्रा.माशिश.चाट.?टट. मी.रेट्स.ग्री.र्स्स.रीस्थानाट.श्टर.लूब.चा रेग्रे.बा अःम्युनःचनेः द्वाश णुः क्वेंश दवायः दवाशः णुः क्वेंश स देश यरे हर णु हुँ त दर माशुमा द्वे रेम मलेगा झ भ देना तर झैंच त प्रभी नेश ही महिट है ने मूर् यते.क्र.स्.स. १ १म.स्या.मी.१मश्र.स्याम् ४ र्स्यम् क्र्यासाम्बर्गाय द्वार्यात्रा स्त्रास्यात्रास्त्रास्या वा नुसारा नर्गेर् यर् कें सु र्ना सुन गु र्नास सु चर्णेर्-व विच च से व हे स्वान न देश मान में न न न न में हेना.चर.भ्रैंच.च.ज.चीलज.चे.चर्णूर्.चर्.क्रू.झू.हेचा.... यर स्रुव गु दिनाश सु नर्गोर् व नियाय स्यास र्ट स्ट्रीव

भ्री सञ्जून प्रयोदी हिंदा मार्डिश प्रयो **तिश.** २४. भ्र. ५५ तथा श्ची. ५मी. तर स्थित स्पष्टी श्वरीय ... रेतुर विश्वायायार् पर्दे हो देना पश हें हारा है। व.र्टा विश.वर्षामान्त्रेराचश्ची देची चर व्रीताचर्. यः संबुद् : द्येर : द्रमः समित : पर्मेर : यदे : कें : ह्मा : यह : धु.र्<u>ब</u>्ट.च.र्क.येट्रा म् वदः देवः हेराः न्यमाः मृत्वः त्यनः यः त्याः न्देशः <u> ୧୯.୯୫</u>୩.୩.୩୬.୩୬.୯୬.୬.୬.୬.୩୬.୯.୯.୯.୯.୩୬.୯.୯ त्रहा निवर र्व हेश र्यमा महा हुन र्मा WE:रना:नो:सर्दर:केरा र्न्न्य:म:र:मोश: सर:सश: चौच.तपु.देचोश.ग्रीश.ष्श्रेल.चोश्रंश.स्री.र.म्र्जाल.जं.संची. कर.भुर.तर..स्र्. ६ ४.८म..लब.लमा.मुडेश.संबी रमु.या पार्श्रेश.पान्ना क्ष्य.भाष्टीय.क्रीं.सी. ह्मा.लह.रमा.मी.सक्त.हेरी म्लूज.स.स्ट.मीश.क्र. शशःमीयःतपुःर्वेचोशःश्रुशःरटः हुशःटियः द्वेदःस्रोतः सः

र्टेश सुन्ध्रमा कर् सेर् यर र्षेत् यहै रामा प्रतासना मुक्रेश ख्रा न्येर व माद गुरु से हमा न्येर व्यवस्य प्रतिक्षान् विकालिका यदि । त्या स्वापिका । ૹૂંશ.શુ. સર્વેય. શ્રું ૨.મી. શ્રુવ. દવા. ત્રદ. નેવા. ત્વી. સજ્ય.... ⁸়িব। র্মুস:ব ২⊏:মুগ:জ্ব':প্রথ মীব:বত্_'র্মুম্।প क्र्यान्द्रः व्यानिया क्रिया क्रिया क्रिया करा होना करा होना पर र्बेद यर दन प्रतास्त्र सनामा है अ ख्रा निट देनी यास येश वेश वेश सिट निष्य है । येश ही ७४.तर्.त्मा.कं.वेर्। विवास्ता.कंर.क्रॅंट.ची. सक्त केरा स्मिन्द्र नग्रहे नग्रहे । सिंद नाट. इट. इट. खेब.च। रेच्चे.च. माशुक्र. तथा ह्ये. र्श्चितं रहतं नी सून रमा सून र हूट है। सिन रे रहेश रहता श्रेमश्रासेन् प्येक् हो। क्षे प्रहेम उक् प्येक् परि सुन। मिडिमेश.स्मेश.चड्रेश.ड्रेश.चट्र.टमे.से.सेट्रा रि्र. भ्रुव रुव मी भ्रुव रामा स्ट्रा रहार वी भ्रा दे रहेना या

लूष है। हो चीश रेट.शरीय होंचेश चीट १८८ लूय. तपु होर। देश तपु मा हो ही। ही हैं हैं कर हो . ञ्चित त्ना सर हिर है। निर्मात के के के के हम है वुशाय भेदायदे द्वैम। नयेमादा विद्यापाय विद्या म्रु.लट चेश रेट्र.क्रु.स्मु.श्र.६मा.वुश.पट्र.टमा. ङ्गः चुर्ते । इम्बार्था प्याप्ता मी म्र्यून चुर्ते अळंव रेृत्। देनाशास्त्रमा सामहेवावशामा हिन्मी निरास्या रमें ना राह्यं मी में मार्था सामि मह्मीय है. ५८.। मोलय रूप मी सेमाश स्मर स्मा मी मही मा सी नाकेश र्रामें दे सक्ष केर हो विर र्रु हेना शर् हर श्रसः मीयः तः ता सुरे १ वर्षः मोज्ञ हः मी न्य हः वी ना ना विषः र्रेष.मी.मेनास.लट.रचा.मी.चर्सेच.वेपु.सक्षर.धेरी ट्र विर.पुर्श.पुट.सुल.चर्चा मञ्जीय.वी.श्रामश.धटर्गा क्र्य.क.बु। गीब.जम.चरेंब.जम। डे.च्.च्रि.ब.

रह हिर्द्रा । पर्दर् प्रमुक्त सम्बद्धा वहुन वु न। बुंश पर्वेट य.केर.री रे.भैय.ग्रे.हीर.सूल श्रिश. र्द्धन्यसःसुवः बैदासः यहेन् यासः व्येदाय न्या है રે⁻ૹૣૻૣ૾ૣૢૢૢૢૢૢૢૢૢૢ૽ઌ૽ૢ૾ૢૢૼૣઌૻૣ૱ઌૹ[ૢ]ઽૣઌ૽૿ૢ૾ઌૢ૿ૢૡ૽ૺૢૼૢ૾૱૱ઌ૽ ५८। रेख्नुवणी में यन ले यस पर्दे य ५८। रे ลูลาทู๊ ซู๊ ราลักาคู่ผาสราผผามารผผา สุมผา श्री भावकर्त्रमी सुमार स्रम् ह्राम में सर्व रहेता মূ র্নুম শ্রীর ব্রুবর্ষ বর্ষ র্নু নাম ব্রুব নাম ব্রুবা ट्र.च्र.च्र.च्र.च्र.च्र.च्र.च्र.च.च्र.च। रेने.च.ज्र. त्रशा मीतः भ्रुषः पर्दः सुं म्युः स्ट्रः भ्रूषः ही भ्रुषः देवा.तर.क्ट.शश.मीत वृष्तपष्ट.चाट.वचा.मू.ट्रा ञ्च.श्र.म्मा.तम.र्था.पवशायहा.ष्ट्र.ञ्च.श्र.म्मा.पा.हे..... विर्। स्मिन विर्ने निर्मेर महिन मरि स्मिन स्निर ङ्कटार्जे। स्राम्भःहनाःचरः स्रुचःचःचः भःहनाःचः

यर्गेर् प्रदे हैं हैं है हमाया दे सुर्ग । हिंदा या र्यमा ८ रेर् सेर् परे से निय हुर हूट है। मैं या निय र्कर.चाड्रमाश.निब म्री.जिटाधश.धटश.वशा से श. ञ्च.भू.स्वा.सैय.ज.वीश.वा.सेवोश.श्व.वर्ण्ट.वर्ष प्र् . स्रु.३मा.प.वस.ल्ब.सं.वेर्) मि्य.प.बे.पश.सं. तर्रायदे सुँ नाय स्रम् द्वार की मूर्य ख्वायय श्रेन्। श्रेन्। श्रेन्। यून्यः प्रत्नाः हेन्। वश्र यते के केना संनिधान लुका दें के ना स्वीता । नश्यान. विचाश नार् ही चोश केर हीर हो से घरें थे. चु'स'र्भेद'य'द्रे'च्। नश्रम'नदे'सर्ह्व,भेर्। रस यक्षत्र द्वार मार होता । मिर् गुर होता सु मार गी. र्दे.क्रर.संब.चीय.त। रेवे.वे.चोक्रेश.लंबा भट्ये. श्रिमानश्रयानदे सर्वन हेरी चार बुच हिर्गे है. न्देश गुः विना सु नाश गुः न्वासद्व सुमा कन सका गाः

मुवःय। दवेरःव। क्षु मक्ष्यः वुःसः ध्वैदःयः सः वुद्रों। र्र्ट्श.च्.स्वश.७वश.णु.ह्रश.र्यचे.म् पशल.पट्र... सर्दर[,] नेता नाट लेना । हिंद गु रहें र गु रहें र गु रहें ना स् माश्राणी देव नद्शास द्वायश लुमाश ली हिशानयमा मुश्रम्बर्या रवर्यः श श्चर्मारा स्वासी स्वास यत्रे. हेश र्यमा मी प्रथम यत्रे अर्थ व केरी माट लेमा हिंद ज़ै दह्र जै ख़्मा ख़ु म्राय जै देव मान्य यदे हेश्च-न्यम् मेंश-मूच-या न्येन-वा ने वेद छवः ञ्च.चयु.श्रेश चह्र्र.भु.२८.के.२। लूर.कुश.चश्रण. यत् अर्थः हेरा हर मिश्रः स्रायते र्यायद्यः <u> त्यो.स्री. भश्रःश्रेभशःतर. येशः तपु. रेशः तद्यं .सेरः....</u> हूटमी र्वा निवास रहे में स्टार्ट में स्टार्ट राज्या यद् .स्.र्था.चिंश.विंदा.ग्रीश.यश्राय.य.र्टा क्रेर. হল নত্ত বহাল বা নাইল। ব্দর্য দ্রী মর্ছর ইবা रट.कूची.कि.शश.चलेची.त.रट.कूची.कि.शश.३शश...

चिश्रायते नस वरत सूर इंट मी देवा द्वेर व सुर सेर्-महिम्-सूर-सर-**र**स-महस-दश-दश्चिस-से-मित्स-५.रस.चक्स.च४.७ वेर.मुर.वे.मुरे.च४.वेस.संय.... ष्प्रें सेर्में क्षामा प्येत य स्या सर्वन हेरा रस परत स्र इंट मी रेन माट लेम । ८८ मी ८०४ मी व्यम् यु ग्राणी र्द्र प्ये ८ के हा है हा न्यनाःनीशः**ना**यःय। न्येरःव। सूरःश्रदशःक्रुशः गु. भिट. क्र्ये. भर . प्रश्ना चिटका वेशा चुेश . श्रुव श्र्रे. <u>र्गार-क्रॅश-ल-क्रुर्ग्य-लक्षास क्रॅट्स-य-४-मरे-य-से----</u> त्युटः परः प्रायहशः यदै र्देशः सुर्वे । दिश् वा พีรุ-ธิม-สมมาส**พ**ล-สามพัรุ-ธิม ฐิม-รุสฦ.... ন্মান্ত্রমান্তর্পর বর্ষারা দ্রিব কিল্ স্থান স্থান স্থান 🕏 থ বধ্ন ব ব্ বে ব্ র্যার্ডিব্র জ্বার দ্রী বর্ম 🕆 य.लट.श्रुटचील.ज्रा ।लट.गीय.लश.चर्श.श्री क्षेत्र हेश। वेश नहेन ५ तहुस दश नन् परे

रेश यः ৼৼড়ৢ৾ঀ৻ৼৼ৻ড়ৼ৽ড়ৢ৾ঀ৽ঀ৾৽য়ড়৾ঀ৽ৡ৾ঀ৾৾ पहुंब, मूलाच : मान्या साम्या हुंब : मीश : स्रु साम साम : वस्तुवः वुः वहित् यदिः हैं ना न्दान् न्दान् या नासुसः मीसः न्न पर्वे सिर प्रेक्श हि.स.क्रिस न्म मिहेस र्से दे सक्ष के दे : इस : नर्जु वा नर्ज्य न हु दे : स्व : क्रू ना : मार हिंग । क्रिंश उद प्योर् द र उर्द र अर्थेट मीश र र्टेश त् ह्रेंचशः हिन्या गुरा तमुवारा सिराया से महेंसारा । ५८.चर्ड्स.च.७्स.चासुटस.५.**५८५.**५्। ।७५.ज. ब्रै्याशः श्रुरामी अव्या १००० व्रियाशः श्रामहारायोद् देन्हार्यायम्बर्विदा। देन्देन्स्च्याणुः सुद्रस्य दवाहेदाया स.लूब.तर.झूच.राष्ट्र.क्षा.चश्चिश.क्ट.चष्ट्र.३५ मीट.... हेन <u>। इ.स</u> ५.स्ब.श्चोश.<u>श्</u>रुश.मि.मोट.१८ स्मी.मेह्स. ग्री.जूचा.क्रुंचाश.क्रुय.च। ४३े.य घ.जश**ा गी**य.हुय. तपु. स्त्र्वाश हिर है ट.मी हैं विश्वा है। से सक्षेत्र दी लोव ता ता.श्च.भवेष.यी.त्रप्र श्चिय.यपु. द्वीर म्यूल.यी. क्षर....

श्रम् मीय त. बियाश त से विद्र । सिया श पढ़ी पर <u> इस.पमुल् । श्रुव.पम्चेब.चन्यर.त.ल। श्रुव.</u> <u>८वेंब अट रना नी सर्ब ३ हेन</u> ह्येंब यह हिंद र तशः भुव १७व म् वृद्धाय दे १८ १ है । इस कुर ग्री.श्रंब.पचीब.लट रेचा.रेट। वज्ञ.पचीच.ग्री.श्रंब. पन्नेष.लट.रचा.चार्चेश रट.म्ब्रेर.बु.ध्रेय.टचा.लट. न्नाः स्वराययायय निवर होता । शुका पर्येक स्वर होता শী'মঠৰ'ঈবা শ্ৰৰ'মত্ৰীৰ'বু'মণ্ট্ৰিম'নাম'ন্ত্ৰীৰা । भुवि.पा.भुव.ये य<u>हर्यः पश</u>.भुव.ये.स्य. भुव. येश.यो वापा. त्मुर पर द्वा मी सर्द्व हैन। यद मुह्म ह्वा स्र र्दा से त्येव मरे वाय त्युर प्राप्त न्या महिना रट.स् ८.सक्य.हेरा वल.पर्सें र लट.रेच.चट. ्वेन ह्यायम्मिस: २८:मी: ह्या: ६**४**:मी: हे८:पू **ৢঀ**য়৽য়৾ঀ৽ৠৢঀ৽য়৽৻৻য়য়৾য়৽৻৻ঢ়৽য়৸ৢৢঢ়ৢঀ

२८:२मश**्र**८ मालुक:२माझ:**०,स्रे**क्सिके **ब**ल:०,सुरू:: प्यम् नम् मार्केश । इस्स्य दे प्रकार केना माम लेमा ष्ट्रशायम्। मीश रूटा मी रहेश छन मी सेटा नि हमाश মূৰ্ম শ্ৰুব ব ২০১১ ১ ১ নাথ নাইন্দানত প্ৰথম নাধ্যম … क्टानाध्येता द्वेरावासार्यसार्वे से ह्वा हेत तश्रक्षितःतर बुब् तद्र अ.सुंचाश्रक्षेचाट स्वाक्षियः.... क्रनाशःस्त्रेन्यम् विश्वः त्येषः त्या । शेः ह्येनशः हेषः নগ্ৰ. দ্ৰিব : বহু : বহু : কাই নগ্ৰ. কুৰ্য : কৰা ह्ये <u> ब्रॅ</u>चश.ष्ट्रयं.मुश.मित.सम.ब्र्यं.ता.स.लूयःतम.सैजा में इसी खूर्य के मैंच कन सार्य निष् हैरी हैश. वतः पर्वीर न्तरान्या सुरुषः हुर। सह लुगा स्था स्त्रा नेश रह ने देश उद मी हेट हा हमार स्त्रा भ्रुप'५'ॸ८'५८'३े'ज्ञरास्री'ज्ञीक्ष'यदी'र्द्धा'नाशुर्यास्ट' य। देवराव सन्द्रशास्त्राकृत्वस्त्रामान्द्रास्या

यरे सक्द से दे मु सक्ट र नु प र प्रश्न पर प्रका सद র্ প্রীমানাইনের নার্পার্থ প্রার্থি सर्वे व केंश ख्वा हो स्पेर् पर श्रमा नु च स्पेर् यह हैं। देश सह वस हीर देश हैंग हैं श्राद्मके पद्भावता मार क्षित्र स्थ्यं मीश स्ट.मी. श्रुष्ट ख्ये.मी. हेट री देनाश्चास्या स्रियाव दिया नाश्चित्र सार्यहराय। देने र वी त ह्या. सुष्टाः ह्रेर विषश् विष्टा श्रीष्टा रची पट्टा श्रा.... त्रुं में श.व. विश्व य स्पूर्ं तर विश्व विदेश ये जा ह्रें नम रेची तर् स हैं चेश क्रियं छ्ये। शिवास हरे বহ রঙ্গ। রু. কু.হ.হ.র হে হে হে হে হুলার মেটু ক্রী হা बुशासपु अंताप्रीय . के. वी वंताप्रीय हैंया हैंया हैंया पर् अक्ष हुरी लय मुक्ष क्ष्म पर वेश पर वेश. प्रमुर वासाङ्कार्म्स क्रिन्न सङ्गावना । प्रमुर वासाङ्कारम्स क्रिन्न सङ्गावना धट्रात्ताता झे.ष्ट्रात्या मुस्यातरावता भारेगे.

च प्रवासी खेरा हैस य दे खेरा । में सम्ब सक्य केरी से चीश के साथ हूंची वेश सर विश्व खेर यर् मार वर्ष । स्रु र मुल मी. सक्ष केरी से मारा र्क.थ.शंथ.४ वृष.तर.पिश.जुथ.तप्र.चीट. चर्चा । र्यटर. में दे मर्द्र हैन में मियान महिशा है हिन या मुला स्था-भुत्र-तिचुन्-सर्गामश्च-योद्य-सद्य-सार-ज्ञम नाल्य-लट.वजार वीर केर क्षेट जाया वर पर्वेच शास्त्र चर्चे यर.चे.ह्रे। ह्यु.१न्म.यर.वस.चेश.म.ल्यु.यदी द्वेरामा विवासायमायावेशासास्यापारा स्र धु.रेच.तर रवेण भ्रवेष.ची.लुब.तपु.खुर.ज.िय.त.य. टेश्च-लेश्च-य-व्ह-न्दा। ह्यु-ह्री-ह्मा-य--प्रत्य हीमा-मी-गहर मु स्पेर परि भुँर या नृगरा सम्मूय हेरा य.डे.वे.रटा भरेंब.मेंडे.पट्टर तं.इप्.वेश. य. वृश्च. वर्षे । भू. देवी. तर स्वणा विश्व. तर्षे स्वी ह्नास त्याचे केंस्र वालेस ताले वी.रेटा रेटा हुए ही.

प्रट.चर्रेथ.चेट्र.<u>ट्र</u>च.ज.थ्र.^{ध्री} चर.घणी मासुस्र मुह्म द्रमा यदे सुद रेषे रायदे सुर य देर्न કુશ.વ.કે.વૈદ્ધું.ત્વય.તડુવશ.તર.વૈદ્યા क्ष प्रदेश प्रवर देवी प्रवादि । प्रवादि । मावश्रास्त्रम् स्थार्यदे स्थिति त्रह्मा या न्ता सद्य-प्रुमाः <u>स</u>द्द-र्द्र-मान्द्राः तः द्वं यः विन नु। ब्रैटश.वंश.वैट.कैंच.रंभ..त.ब्रेच.तर.र्ज्न नङ्गानान्दाक्षेस्रकारुन् वायकायामु केन वीत वृद्दाः तर.चीर.कुमी डेस.च.५मास.२स.सुद.शुप्तः क्ष्मास.चत्रे.चन्मा.५५... नन्ना सं नानायाम् वातायाम् वात्रायाम् वात्रायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायास्यायस्यायस्यायस्यायस्यायस्यायस्यायस्यायस्यायस्यायस्यस्यायस्यायस्यस्यस्यायस्यस्यस्यस्यस्यस्यस् প্र·র্ধু দি.ব.প্র্.বছে.মানাধ্য.বর্.থেনা.মীধ্য.মী वर्गा लेशन्तर्भेष्यास्य म्यून्यदे सेम्बर्म्यत् मार्ने सहूर मिट. रे. रेतर पश्चिष खिला प्रश्नी

८४ परिमहण सं 6.769 प्रम्थालय, के. ड. ति. शि. संस्थान सारनाथ, वाराणसी